twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 14 जून, 2025 | वर्ष: 12 अंक: 211, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

प्लेन क्रैश: घटना दिल दहला देने वाली: पीएम मोदी

पीएम दुर्घटनास्थल पर पहुंचे, बोले- अधिकारियों और राहत व बचाव टीमों से मुलाकात की

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने अधिकारियों और राहत व बचाव टीमों से मुलाकात की। उन्होंने तबाही के मंजर को बेहद दुखद बताया और कहा कि हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस अकल्पनीय त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि अहमदाबाद में हुए हवाई हादसे से हम सभी स्तब्ध हैं। इतने सारे लोगों की अचानक और दिल दहला देने वाली मौत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हम उनके दर्द को समझते हैं और यह भी जानते हैं कि जाने वाले पीछे खालीपन छोड़ गए हैं। इस खालीपन को आने वाले कई सालों तक महसूस किया जाएगा। वहीं हादसे में ब्रिटेन, कनाडा और पुर्तगाल के नागरिकों ने भी जान गंवाई है। विदेश मंत्री ने इन देशों के विदेश मंत्रियों से संपर्क साधा है और संवेदना प्रगट की है। एक्स पर उन्होंने बताया कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के संबंध में यूके के विदेश मंत्री डेविड लैमी, पुर्तगाल के विदेश मंत्री पाउलो रंगेल और कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद के संपर्क में हैं।

हर उड़ान से पहले बोइंग 787 की जांच जरूरी: डीजीसीए

नई दिल्ली

डीजीसीए ने शुक्रवार को एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बेड़े के सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं। यह आदेश 12 जून को अहमदाबाद प्लेन हादसे में 241 लोगों की मौत के एक दिन बाद जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि बोइंग के 787-8 और 787-9 हवाई जहाजों की हर उड़ान से पहले जांच होगी। सभी रिपोर्ट्स डीजीसीए को सौंपी जाएंगी। डीजीसीए ने एअर इंडिया को जेनएक्स इंजन वाले बोइंग 787-8 और 787-9 विमानों के अतिरिक्त रखरखाव का निर्देश दिया है। यह आदेश 15 जून से लागू हो जाएगा। टाटा ग्रुप की एयर इंडिया के बेड़े में 26 बोइंग 787-8 और 7 बोइंग 787-9 हैं।

हर उड़ान से पहले ये जांच जरूरी

फ्यूल सिस्टम की जांच यानी ईंधन से जुड़े पैरामीटर सही हैं या नहीं।
कैबिन में हवा पहुंचाने वाले सिस्टम की जांच।
इंजन कंट्रोल सिस्टम की जांच।
इंजन में ईंधन डालने और ऑयल सिस्टम की जांच।
हाइड्रोलिक सिस्टम की जांच, जो प्लेन के पहिए, ब्रेक कंट्रोल करता है डीजीसीए के आधिकारिक बयान में कहा गया है, "निवारक उपाय के रूप में डीजीसीए एयर इंडिया को निर्देश देता है कि वह संबंधित क्षेत्रीय डीजीसीए कार्यालयों के साथ समन्वय में तत्काल प्रभाव से जेनएक्स इंजन से लैस 8787-8/9 विमानों पर निम्नलिखित अतिरिक्त रखरखाव कार्रवाई करे।"

विमानन नियामक ने अपने आदेश में 15 जून (00:00) बजे से भारत से उड़ान के लिए प्रस्थान से पहले विमानों की एक बार जांच करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही अपने आदेश में डीजीसीए ने 15 जून को 00:00 बजे से उड़ान के प्रस्थान से पहले जांच अनिवार्य कर दी है। विमान नियामक ने ईंधन पैरामीटर निगरानी और संबंधित सिस्टम जांच का निरीक्षण और केबिन एयर कंप्रेसर और संबंधित सिस्टम का निरीक्षण अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक इंजन नियंत्रण-प्रणाली परीक्षण, इंजन ईंधन चालित एक्चुएटर-संचालन परीक्षण और तेल प्रणाली जांच, हाइड्रोलिक प्रणाली की सेवाक्षमता जांच, टेक-ऑफ मापदंडों की समीक्षा, अगली सूचना तक पारगमन निरीक्षण में 'उड़ान नियंत्रण निरीक्षण' शुरू किया जाएगा।

विमान दुर्घटना की जांच के लिए याचिका दायर

नई दिल्ली

अहमदाबाद में विमान हादसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में चीफ जस्टिस से इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेने की मांग की गई है। यह याचिका दो डॉक्टरों डॉ. सौरभ कुमार और डॉ. ध्रुव चौहान ने दायर की है।

वकील सत्यम सिंह राजपूत के जरिये दायर इस पत्र याचिका में केंद्र सरकार को एयर इंडिया को विमान दुर्घटना के पीड़ितों को मुआवजा देने का निर्देश देने की मांग की गई है।

पूर्व सीएम विजय रूपाणी के परिवार से मिले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की, जिनकी अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। 68 वर्षीय रूपाणी लंदन जाने वाली उड़ान के 241 यात्रियों में शामिल थे। पीएम मोदी ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, विजयभाई रूपाणी जी के परिवार से मुलाकात की। यह अकल्पनीय है कि विजयभाई हमारे बीच नहीं हैं। मैं उन्हें दशकों से जानता हूं। हमने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, जिसमें कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण समय भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, विजयभाई विनम्र और मेहनती थे, पार्टी की विचारधारा के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध थे।

पद पर बढ़ते हुए उन्होंने संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाईं। और गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगन से काम किया। मोदी ने कहा कि उन्हें जो भी भूमिका दी गई, उसमें उन्होंने खुद को साबित किया, चाहे वह राजकोट नगर निगम में हो, राज्यसभा सांसद के रूप में हो, गुजरात भाजपा अध्यक्ष के रूप में हो या राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में हो। उन्होंने कहा, जब वे गुजरात के सीएम थे, तब भी मैंने और विजयभाई ने बड़े पैमाने पर साथ में काम किया था। उन्होंने कई ऐसे कदम उठाए, जिससे गुजरात के विकास में तेजी आई, खासकर जीवन को आसान बनाने में। हमारे बीच हुई बातचीत हमेशा याद रहेगी। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं। ओम शांति। पीएम ने पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी अंजलि रूपाणी और परिवार के अन्य सदस्यों से एयरपोर्ट के पास गुजसेल बिल्डिंग में मुलाकात की।

रूपाणी राजकोट पश्चिम सीट से गुजरात विधानसभा चुनाव जीतने के बाद 7 अगस्त, 2016 से 11 सितंबर, 2021 तक दो कार्यकाल के लिए गुजरात के सीएम रहे। वे वर्तमान में पंजाब के लिए भाजपा के प्रभारी थे।

प्लेन क्रैश में बचे इकलौते यात्री से मिले पीएम, 10 मिनट बातचीत की

अहमदाबाद प्लेन हादसे में जिंदा बचे इकलौते यात्री रमेश विश्वास कुमार ने बताया कि मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं कैसे जिंदा बाहर निकला। शायद दरवाजा टूटा और सीट समेत नीचे गिर गया। मुझे कुछ याद नहीं था। रमेश कुमार अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में भर्ती हैं। पीएम मोदी ने शुक्रवार को उनसे मुलाकात की और हालचाल जाना। दोनों के बीच करीब 10 मिनट बातचीत हुई। इसके बाद रमेश ने बातचीत में कहा, पीएम ने उनका हालचाल जाना और पूछा कि हादसा कैसे हुआ। रमेश प्लेन की 11ए सीट पर बैठे थे। हादसे के बाद वे घटनास्थल से खुद पैदल चलकर बाहर निकले। सवालः हादसा कैसे हुआ? जवाबः सब कुछ मेरे सामने हुआ। मुझे पता नहीं कैसे यह हुआ। मुझे विश्वास नहीं होता कि मैं कैसे जिंदा बाहर निकला। थोड़े वक्त के लिए लगा था कि मैं भी मरने वाला हूं। मेरी आंख खुली तो लगा कि मैं जिंदा हूं। मैंने सोचा मैं यहां से निकल सकता हूं और मैं निकल गया। सवालः फ्लाइट के टेक ऑफ होते ही क्या हुआ? जवाबः टेक ऑफ होते ही पांच-दस सेकेंड के अंदर लगा कि स्टाप हो गया हो है। बाद में ग्रीन और व्हाइट लाइट ऑन हो गई। फिर जैसे ही स्पीड बढ़ाई। उसी समय गिर गया और धमाका हो गया। सवालः जब फ्लाइट हॉस्टल पर गिरी तभी आप बाहर निकले थे। जवाबः मेरी सीट प्लेन के जिस हिस्से में थी, वो बिल्डिंग के निचले हिस्से से टकराया होगा। ऊपर के हिस्से में आग लग गई थी, कई लोग वहीं फंसे गए। शायद मैं सीट समेत नीचे गिर गया था। मैं जैसे-तैसे निकल पाया।

अहमदाबाद दुर्घटनाग्रस्त विमान का ब्लैक बॉक्स मिला, जांच जारी

अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में दुर्घटना की शिकार हुई एअर इंडिया की उड़ान एआई 171 का ब्लैक बॉक्स मिल गया है। विमानन मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। ब्लैक बॉक्स को इमारत की छत से बरामद किया गया। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने हादसे के तुरंत बाद पूरी ताकत से जांच शुरू कर दी थी। मौजूद विमानन मंत्रालय की टीमों के साथ मिलकर राहत और जांच कार्य में जुटे हुए हैं। मंत्रालय ने बताया कि डीएफडीआर को छत से बरामद किया गया है। इससे पहले, पुलिस और दमकल अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया

कि इस ब्लैक बॉक्स का विश्लेषण हादसे की वजहों को समझने में अहम भूमिका निभाएगा। अहमदाबाद के दमकल अधिकारियों ने बताया कि मेटल कटर जैसे खास उपकरणों से लैस एक टीम को मेघाणीनगर इलाके में दुर्घटनास्थल पर भेजा गया था। यह इलाका हवाई अड्डे के पास स्थित है, जहां गुरुवार दोपहर बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। जहां पर काफी मशक्कत के बाद टीम ब्लैक बॉक्स को खोजने में सफल रही।

टाटा समूह के इतिहास का सबसे काला दिन: चंद्रशेखरन

नई दिल्ली

'भले ही यह कठिन समय हो, लेकिन समूह अपनी जिम्मेदारियां निभाएगा और सही काम करने से पीछे नहीं हटेगा।' अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के एक दिन बाद टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को यह बात कही। उन्होंने विमान हादसे के दिन को एअर इंडिया के इतिहास का सबसे काला दिन भी बताया। अपनी प्रणा

यात्रियों की सुरक्षा पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता: चंद्रशेखरन

कर्मचारियों को भेजे गए एक आंतरिक संदेश में टाटा समूह के मुखिया ने कहा कि जब टाटा संस ने एअर इंडिया का अधिग्रहण

किया था, तो यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उनकी पहली और सर्वोच्च प्राथमिकता थी और "इससे कोई समझौता नहीं किया गया।"

हादसे में विमान पर सवार 241 लोगों की चली गई जान

टाटा समूह के प्रमुख की ओर से कर्मचारियों को भेजा गया यह संदेश एयर इंडिया के लंदन जाने वाले बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान के अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त होने के एक दिन बाद सामने आया है। इस विमान में सवार 242 लोगों में से 241 लोगों की मौत हो गई थी। यह देश की सबसे भीषण हवाई दुर्घटनाओं में से एक थी।

यह बहुत कठिन क्षण; कल जो कुछ हुआ, वह समझ से परे: टाटा समूह के मुखिया

चंद्रशेखन ने कहा, "यह बहुत कठिन क्षण है। कल जो कुछ हुआ, वह समझ से परे है, और हम सदमे और शोक में हैं। एक ऐसे व्यक्ति को खोना जिसे हम जानते हैं, एक त्रासदी है, लेकिन एक साथ इतनी सारी मौतें होना समझ से परे है।" चंद्रशेखरन ने कहा, "यह टाटा समूह के इतिहास का सबसे काला दिन है। इस समय सांत्वना देने के लिए शब्द पर्याप्त नहीं हैं, लेकिन मेरी संवेदनाएं दुर्घटना में मारे गए और घायल हुए लोगों के परिवारों और प्रियजनों के साथ हैं। हम उनके साथ हैं।"

इजराइल की ईरान पर एयर स्ट्राइक, 78 की मौत

329 घायल, 6 परमाणु वैज्ञानिक और 4 मिलिट्री कमांडर मारे गए, नेतन्याहू ने मोदी से बात की

तेहरान/तेल अवीव

इजराइल ने शुक्रवार सुबह 200 फाइटर जेट्स से ईरान के 6 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। इसमें 78 लोग मारे गए और 329 घायल हो गए। मरने वालों में ईरान के 6 परमाणु वैज्ञानिक और टॉप 4 मिलिट्री कमांडर समेत 20 सैन्य अफसर हैं। इजराइली हमले के जवाब में ईरान ने दोपहर में पलटवार किया और 100 से ज्यादा ड्रोन दागे। इजराइली सेना ने दावा किया है कि उन्होंने सभी ड्रोन मार गिराए। अभी तक एक भी ड्रोन इजराइल की सीमा में नहीं पहुंचा। इस बीच इजराइली पीएम नेतन्याहू ने पीएम मोदी से फोन पर बात कर मिडिल ईस्ट के हालात की जानकारी दी। नेतन्याहू जल्द ट्रम्प और पुतिन से बात करेंगे। इससे पहले सुबह इजराइल ने ईरान पर 200 फाइटर जेट्स से हमला किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इजराइली सेना ने तेहरान के आसपास कम से कम 6 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन 6 में से 4 जगहों पर परमाणु ठिकाने भी मौजूद हैं। ईरान के सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि इजराइली हमले में इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडर हुसैन सलामी की मौत हो गई है।

अल-जजीरा के मुताबिक हमले में ईरान के दो प्रमुख परमाणु वैज्ञानिक मोहम्मद मेहदी तेहरांची और फरदून अब्बासी भी मारे गए हैं।

इस्राइल-ईरान तनाव पर विदेश मंत्रालय ने जताई चिंता

नई दिल्ली

इस्राइल-ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर विदेश मंत्रालय ने चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम स्थिति पर करीबी से नजर रख रहे हैं। हमने भारतीय नागरिकों को सतर्क रहने के लिए कहा है। विदेश मंत्रालय ने दोनों देशों से तनाव बढ़ाने वाले किसी भी कदम से बचने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतने, सुरक्षित रहने और स्थानीय सुरक्षा सलाह का पालन करने की सलाह दी जाती है। उन्होंने कहा कि

हम ईरान और इस्राइल के बीच हाल के घटनाक्रमों से बेहद चिंतित हैं। हम परमाणु स्थलों पर हमलों से संबंधित रिपोर्टों सहित उभरते हालात पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। दोनों देशों को स्थिति को ठीक करने और अंतर्निहित मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत और कूटनीति के मौजूदा चैनलों का उपयोग करना चाहिए। भारत के दोनों देशों के साथ घनिष्ठ एवं मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। दोनों देशों में हमारे मिशन भारतीय समुदाय के संपर्क में हैं। क्षेत्र में सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतने, सुरक्षित रहने और स्थानीय सुरक्षा सलाह का पालन करने की सलाह दी जाती है। इस्राइल ने शुक्रवार को ईरान के परमाणु ठिकानों और सैन्य स्थलों पर प्री-एम्पटिव (पहले से की गई सुरक्षा) कार्रवाई करते हुए हमला किया।

अगले दो दिन और सताएगी गर्मी

नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में गर्मी का कहर जारी है। शुक्रवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले 2 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिम भारत में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति जारी रहने और उसके बाद कम होने की संभावना है। इस दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 2 - 4 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहेगा। दोपहर में प्रमुख सतही हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे से कम की गति से चलेगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे हो जाएगी। शनिवार को दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति बनी रहेगी। बहुत हल्की बारिश, आंधी के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

हरियाणा में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस होगा ऐतिहासिक

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 21 जून को मनाए जाने वाले 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को ऐतिहासिक बनाने की दिशा में पुरजोर तैयारियां की जा रही हैं। 21 जून को राज्य के 22 जिलों और 121 खंडों में एक साथ आयोजित होने वाले योग कार्यक्रमों में लगभग 11 लाख से अधिक लोग भाग लेंगे। इस वर्ष का राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम कुरुक्षेत्र के पावन ब्रह्म सरोवर पर आयोजित किया जाएगा, जहां से भगवान श्रीकृष्ण ने विश्व को कर्म का संदेश दिया था। इस ऐतिहासिक स्थल पर आयोजित योग सत्र में योग गुरु स्वामी रामदेव स्वयं उपस्थित रहकर लोगों को योगाभ्यास कराएंगे। इस

आयोजन में एक लाख से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे न केवल योग को जन-जन तक पहुंचाया जा सके, बल्कि एक नया विश्व रिकॉर्ड भी स्थापित किया जा सके। मुख्यमंत्री आज पंचकूला में भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) प्राथमिक प्रशिक्षण केंद्र, भानू में आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग और आईटीबीपी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान, मुख्यमंत्री सहित अन्य अतिथियों और आईटीबीपी के जवानों ने अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश हादसे के मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दो मिनट का मौन रखा और परमात्मा से दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स?थान देने की कामना की। श्री नायब सिंह सैनी ने भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के जवानों के अद्भुत योगदान को नमन करते हुए कहा कि यह स?थान अनुशासन, सेवा, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की जीवंत परंपरा है।

हमारे जवान कठिन परिस्थितियों में उत्तर-पूर्वी सीमाओं की दिन-रात रक्षा करते हैं। आपदा, राहत बचाव कार्य, आंतरिक सुरक्षा सहित अंतर्राष्ट्रीय खेलों में आईटीबीपी के जवानों की सहभागिता सदैव अग्रणी रही है। उन्होंने हरियाणा योग आयोग की सराहना करते हुए कहा कि केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए आयोग योग को बढावा दे रहा है। योगासन के खिलाड़ी भी तैयार कर रहा है। आज का यह योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह आगामी 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 से एक सप्ताह पहले आयोजित किया जा रहा है।

29 जून को 'चलो जंतर-मंतर' आंदोलन : झुग्गी तोड़े जाने के विरोध में 'आप' करेगी प्रदर्शन

नई दिल्ली, 12 जून (आईएएनएस)। राजधानी दिल्ली में झुग्गी बस्तियों और गरीबों के घरों को तोड़े जाने का आरोप लगाते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। पार्टी ने चलो जंतर-मंतर नामक एक बड़े विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया है, जो 29 जून को सुबह 10 बजे जंतर-मंतर पर होगा।

पार्टी के मुताबिक, इस प्रदर्शन का उद्देश्य दिल्ली की झुग्गी बस्तियों को बुलडोजर कार्रवाई से बचाना और गरीबों को बेघर होने से रोकना है। आम आदमी पार्टी के अनुसार, दिल्ली में अवैध बताकर कई झुग्गी बस्तियों को उजाड़ा जा रहा है, जिससे हजारों गरीब परिवारों का जीवन संकट में आ गया है। पार्टी ने भाजपा शासित दिल्ली सरकार पर आरोप लगाया है कि वह गरीब विरोधी नीतियों के तहत झुग्गियों को बलपूर्वक हटा रही है, जबकि पहले यह दावा किया गया था कि एक भी झुग्गी नहीं टूटेगी।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहा है कि अब समय आ गया है कि जनता एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करे। इसी क्रम में आप ने 29 जून को व्यापक धरना प्रदर्शन की योजना बनाई है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भी शामिल होने की संभावना है, इस प्रदर्शन में भाग लेंगे।

आप ने इसके साथ ही एक बड़े जनसंपर्क अभियान की भी घोषणा की है। पार्टी कार्यकर्ता झुग्गी बस्तियों में घर-घर जाकर लोगों से संवाद करेंगे और उन्हें आंदोलन से जोड़ने की कोशिश करेंगे। खासकर उन झुग्गियों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिन्हें हाल ही में तोड़ा गया है, साथ ही उन इलाकों में भी अभियान चलाया जाएगा, जहां जल्द ही कार्रवाई की आशंका है।

आम आदमी पार्टी का कहना है कि यह आंदोलन सिर्फ झुग्गीवालों का नहीं, बल्कि हर उस नागरिक का है जो गरीबों के साथ न्याय चाहता है। पार्टी का दावा है कि अगर मिलकर आवाज नहीं उठाई गई, तो आने वाले दिनों में और भी कई बस्तियां उजाड़ दी जाएंगी।

महागठबंधन की बैठक का कुछ भी परिणाम नहीं निकलने वाला है : भाजपा

पटना बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी है। इस दौरान राजनीतिक दलों की बैठक भी शुरू हो गई हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को महागठबंधन की पटना में एक बैठक होने वाली है। इस बैठक को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, भाजपा इस बैठक को ज्यादा अहमियत नहीं दे रही है। भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल कहते हैं कि इस बैठक से कुछ निकलने वाला नहीं है।

दरअसल, महागठबंधन की चौथी बैठक तेजस्वी यादव के सरकारी आवास पर होगी। कहा जा रहा है कि इस बैठक में सीट बंटवारे, चुनावी रणनीति और मुख्यमंत्री पद के चेहरे पर भी चर्चा हो सकती है।

इस बैठक में राजद, कांग्रेस सहित अन्य घटक दल के नेता भी शामिल होंगे। इस बैठक को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि अब तक महागठबंधन की जितनी बैठकें हुई हैं, उनमें दिखा है कि राजद और कांग्रेस में इस बात को लेकर मुकाबला है कि किसका पलड़ा भारी है। इस बैठक का कुछ भी परिणाम नहीं निकलने वाला है। यह दिखाने के लिए बैठक है। इस बैठक में कुछ भी नहीं होना है। इस बैठक में समन्वय समिति के सदस्यों के साथ ही सभी उप समितियों के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। बैठक में राजद से तेजस्वी प्रसाद यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी, संजय यादव, आलोक मेहता, कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारु, विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, डॉ. मदन मोहन झा के अलावा वामपंथी दल के प्रमुख नेता तथा विकासशील इंसान पार्टी से मुकेश सहनी के मौजूद रहने की उम्मीद है।

इससे पहले महागठबंधन की तीन बैठक हो चुकी हैं। तेजस्वी यादव को महागठबंधन समन्वय समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। हालांकि, अब तक महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है।

भाजपा ने बांग्लादेश में रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर हमले की निंदा की, पात्रा बोले- यूनुस सरकार का व्यवहार उचित नहीं

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी ने बांग्लादेश में रवींद्रनाथ टैगोर के घर को निशाना बनाए जाने की घटना की निंदा की है। बांग्लादेश की सरकार पर हमला बोलते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार है, उसका व्यवहार उचित नहीं है। अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि विषय गंभीर है और बांग्लादेश से जुड़ा हुआ है। शुरुआत में ही स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम किसी अंतरराष्ट्रीय डोमेन में घुसपैठ नहीं कर रहे हैं, लेकिन यह रवींद्रनाथ टैगोर का विषय है, इसलिए यह भारत के हृदय के निकट का विषय है। भाजपा इसे बहुत गंभीरता और संवेदनशीलता से लेती है।

संबित पात्रा ने कहा, मंगलवार को बांग्लादेश में स्थित रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर पर हमला हुआ और उसे क्षति पहुंचाई गई। रवींद्रनाथ टैगोर के दादा द्वारकानाथ टैगोर ने 1840 में ढाका से करीब 125 किमी दूर सिराजगंज में एक दो मंजिला घर बनाया, जिसे कचहरीबाड़ी कहा जाता है। रिपोर्ट से पता चला है कि उनके घर पर जो हमला हुआ, वह जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम संगठन के लोगों ने किया। यह हमला योजनाबद्ध तरीके से किया गया। 5-6 दिन से योजना बन रही थी। रवींद्रनाथ टैगोर के घर पर हमला करके ऐसे लोग विश्व को एक संदेश देना चाह रहे थे।

उन्होंने कहा कि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर कोई आम शख्सियत नहीं थे। वो ऐसे व्यक्ति थे, जो सीमाओं से नहीं बंधे थे। उन्होंने दो राष्ट्रों के राष्ट्रगान को लिखा। भारत के राष्ट्रगान जन-गण-मन को रवींद्रनाथ टैगोर की कलम ने ही संजोया और बांग्लादेश के राष्ट्रगान को भी उन्होंने ही लिखा। बांग्लादेश सरकार ने कचहरीबाड़ी (रवींद्रनाथ टैगोर का पैतृक घर) को पहले एक सरकारी म्यूजियम के रूप में घोषित किया था। अब इसे ध्वस्त किया गया है। मैं कहना चाहूंगा कि मौजूदा बांग्लादेश सरकार का व्यवहार उचित नहीं है। इतने बड़े अंतरराष्ट्रीय स्मारक को बचाकर नहीं रखा जा सका। यह बहुत खराब संदेश पूरे विश्व में जाता है। हम बांग्लादेश सरकार के व्यवहार की निंदा करते हैं।

राजा रघुवंशी हत्याकांड : मौत को एक्सीडेंट दिखाना चाहती थी सोनम, पुलिस जांच में चौंकाने वाले खुलासे

शिलांग. मध्य प्रदेश के इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस एक-एक कड़ी जोड़ रही है। इस बीच सामने आया है कि सोनम रघुवंशी की मंशा राजा की मौत को एक्सीडेंट या सुसाइड बताने की थी। राजा की मौत के एक घंटे बाद उसके सोशल मीडिया अकाउंट से कथित तौर पर एक पोस्ट किया गया था। इसे लेकर पुलिस का शक सोनम की भूमिका पर भी गहराया है।

बताया जाता है कि राजा रघुवंशी की मौत दिन में लगभग एक से डेढ़ बजे के बीच हुई थी, जबकि राजा के सोशल मीडिया अकाउंट से दोपहर 2 बजकर 15 मिनट पर एक पोस्ट किया गया। आशंका है कि राजा के फोन से पोस्ट करने के बाद कथित तौर पर सोनम ने राजा के साथ खाई में उसका फोन भी फेंक दिया। फिलहाल, राजा रघुवंशी की पत्नी सोनम रघुवंशी समेत 5 आरोपी पुलिस की गिरफ्त में हैं। इन आरोपियों के एक दूसरे से कनेक्शन के साथ पूरे घटनाक्रम में सोनम की भूमिका को लेकर कई तरह के सवाल हैं। ऐसे में मेघालय पुलिस हर सवाल को समझने के लिए आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है। राजा रघुवंशी केस में बुधवार को पुलिस के लिए सबसे बड़ी सफलता ये रही कि सोनम अपना जुर्म कबूल कर चुकी है। हालांकि, मेघालय पुलिस की एसआईटी के पास ऐसे 13 सवाल हैं, जिनका जवाब पूछताछ के दौरान सोनम से जानने की कोशिश की गई। सोनम से पूछताछ में पता करने की कोशिश की गई कि उसने और राजा ने मेघालय का हनीमून कब प्लान किया था? वापसी की टिकट क्यों नहीं बुक की गई थी? क्या ये पहले से योजना का हिस्सा था? इसके अलावा मेघालय पुलिस ने सोनम से जानने की कोशिश की कि क्या वो शादी से पहले राज कुशवाह को जानती थी, क्योंकि उनके बीच लगातार संपर्क के सबूत हैं।

Ahmedabad Plane Crash

एयर इंडिया का प्लेन क्यों हुआ क्रैश, सामने आई वजह, 242 लोग थे सवार, एयरपोर्ट के पास धुएं का गुबार

गुजरात में बड़ा विमान हादसा हुआ है. अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया का विमान टेकऑफ के कुछ ही देर बार क्रैश हो गया. विमान का पिछला हिस् सा किसी चीज से टकराने और इंजन में आई खराबी की वजहें बताई जा रही हैं. जांच के बाद ही असल वजह की पुष्टि हो सकेगी.

अहमदाबाद. अहमदाबाद में बाड़ा हादसा हुआ है. एयरपोर्ट से टेकऑफ के दौरान एयर इंडिया का प्लेन क्रैश हो गया है. प्रारंभिक जांच में विमान के दुर्घटनाग्रस् त होने की वजह सामने आई है. बताया जा रहा है कि प्लेन का पिछला हिस् सा यानी टेल के टकराने से यह हादसा हुआ है. कुछ रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि विमान के इंजन में अचानक खराबी आ गई, जिस वजह से यह हादसा हुआ. प्लेन में 242 लोग सवार थे. एयर इंडिया का यह प् लेन अहमदाबाद से टेकऑफ करने के बाद लंदन के लिए रवाना हुआ था. दुर्घटनास् थल पर धुएं के गुबार को देखा जा सकता है. हादसे के बाद केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने गुजरात के मुख् यमंत्री, राज् य के गृह मंत्री और अहमदाबाद के पुलिस कमिश् नर से फोन पर बात कर हालात के बारे में जानकारी हासिल की है. अमित शाह ने हर तरह की मदद का भरोसा दिलाया है.

अहमदाबाद में लंदन जा रहे विमान के क्रैश होने से बड़े पैमाने पर नुकसान होने का अंदेशा है. दुर्घटनास्थल पर धुएं के गुबार को स्पष्ट

तौर पर देखा जा सकता है. प्लेन क्रैश की सूचना मिलते ही मौके पर एमर्जेंसी सर्विसेज की टीम पहुंच गई और प्रभावितों को मलबे से निकालकर उन्हें मेडिकल सेवा मुहैया कराने की कोशिश की जा रही है. विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलते ही पूरा अमला हरकत में आ गया और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया. वहीं, दुर्घटनास्थल पर अफरातफरी का माहौल बन गया.

प्लेन क्रैश की डिटेल

12 जून 2025 को मेसर्स एयर इंडिया क्र787 विमान VT-ANB (अहमदाबाद से गैटविक के लिए) उड़ान AI-171 का संचालन करते समय अहमदाबाद से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया. विमान में 2 पायलट और 10 केबिन क्रू सहित 242 लोग सवार थे. विमान की कमान कैप्टन सुमीत सभरवाल के पास फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर के साथ थी.

हाइलाइट्स

- अहमदाबाद में बड़ा विमान हादसा, लंदन के लिए रवाना हुआ था एयर इंडिया का प्लेन
- विमान में कुल 242 लोग थे सवार, एयरपोर्ट के पास देखा गया धुएं का गुबार
- टेकऑफ के तुरंत बाद विमान हो गया क्रैश, बोइंग ड्रीमलाइनर हुआ हादसे का शिकार

झूठ बोलने का नोबेल मिले तो पीएम मोदी होंगे पहले दावेदार : संजय राउत

मुंबई. शिवसेना (यूबीटी) के नेता और सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। पत्रकारों से बातचीत में राउत ने कहा कि अगर झूठ बोलने के लिए नोबेल पुरस्कार शुरू हुआ तो पीएम मोदी इसके पहले दावेदार होंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने 11 साल तक झूठ बोलकर सत्ता हासिल की और देश को आर्थिक, सामाजिक और सुरक्षा के मोर्चे पर कमजोर किया।

उन्होंने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सही कहा है। पीएम मोदी ने झूठ बोलकर पहले सत्ता हासिल की और फिर 11 साल तक झूठ के सहारे सत्ता में टिके रहे। देश को क्या मिला? गरीब और गरीब हुआ, जबकि पीएम के करीबी 10-12 लोग अरबपति बन गए।

संजय राउत ने बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा व्यवस्था के पतन और आतंकवाद बढ़ने का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान और चीन भारत को आंख दिखा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

महाराष्ट्र की सियासत पर भी राउत ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि भाजपा, अजित पवार की एनसीपी और एकनाथ शिंदे की शिवसेना सभी अमित शाह के इशारे पर चल रही हैं। ये सब भाजपा की ही पार्टियां हैं। अमित शाह ही इनके असली अध्यक्ष हैं।

उन्होंने बीएमसी और आगामी विधानसभा चुनाव में महाविकास आघाडी (एमवीए) के मजबूती से उतरने का दावा किया। उन्होंने कहा, हमारी चर्चा चल रही है। सही समय पर गठबंधन का ऐलान होगा और हम मजबूती से चुनाव लड़ेंगे।

एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले ने पीएम मोदी की तारीफ की है, इस पर राउत ने नाराजगी जताई। सुले ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के लिए विदेशी प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने के बाद इंडियन एक्सप्रेस में एक लेख लिखकर पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना की थी।

उन्होंने कहा, सुप्रिया सुले को पीएम मोदी के नेतृत्व में कुछ गुण दिखे होंगे, हमें नहीं दिखते। यह उनका निजी विचार है, लेकिन देश अघोषित आपातकाल झेल रहा है। विपक्ष और उनकी पार्टियों को तोड़ा गया, सत्ता का दुरुपयोग किया गया।

एनसीसी कैडेट्स ने किया माउंट एवरेस्ट फतह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिए 10 लाख रुपए

नई दिल्ली. नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की एक युवा पर्वतारोही टीम ने विश्व की सबसे ऊंची चोटी 'माउंट एवरेस्ट' पर सफल चढ़ाई की है। गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की इस टीम को सम्मानित किया।

इस पर्वतारोही दल में पांच युवक और पांच युवतियां शामिल थीं। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि इनकी औसत आयु केवल 19 वर्ष है। इतनी कम उम्र में इन कैडेट्स ने माउंट एवरेस्ट की सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की है। इस अभियान में सबसे युवा कैडेट की उम्र मात्र 16 वर्ष थी। इस अद्वितीय उपलब्धि के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने टीम को 10 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया।

नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने रक्षा मंत्री से अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि किस तरह कड़ी प्रशिक्षण प्रक्रिया व योजना पर बारीकी से काम किया गया। किस प्रकार की चुनौतियों का सामना किया

और कठिन परिस्थितियों के बावजूद साहस और धैर्य का परिचय दिया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि टीम ने अनुशासन, धैर्य, साहस और संयम की कसौटी पर खरा उतरते हुए देश का नाम रोशन किया है। राजनाथ सिंह ने कैडेट्स को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने यह संदेश दिया है कि देश का युवा विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर भी विजय प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने विश्वास जताया कि ये कैडेट्स भविष्य की चुनौतियों का भी इसी साहस और संकल्प से सामना करेंगे। रक्षा मंत्री ने एनसीसी की उस भूमिका की सराहना की, जिसके माध्यम से कैडेट्स में राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से सशक्त बनने तथा सामाजिक कौशल विकसित करने का अवसर मिलता है।

उन्होंने उन परिवारों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस अभियान में कैडेट्स का पूरा सहयोग किया। इस अवसर पर एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

अहमदाबाद विमान हादसा : पीएम मोदी ने अमित शाह, राम मोहन नायडू से की बात

नई दिल्ली. अहमदाबाद विमान हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से बात की। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने उनसे अहमदाबाद जाने के लिए कहा है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा है कि विमान दुर्घटना के बाद प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता दी जाए।

वहीं, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू से बात की और अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना की घटना का जायजा लिया।

उन्होंने पीएम मोदी को बताया कि वे बचाव और राहत कार्यों की निगरानी के लिए अहमदाबाद जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्री को निर्देश दिया है कि वे सभी आवश्यक सहायता तत्काल उपलब्ध कराएं और स्थिति के बारे में नियमित रूप से अपडेट रहने को कहा है। सभी संबंधित एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं और समन्वित प्रयास जारी हैं।

इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि गृह मंत्री अमित शाह और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू अहमदाबाद के लिए रवाना हो गए हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने विमान हादसे को लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, गृह मंत्री और पुलिस कमिश्नर से बात की। उन्होंने केंद्र सरकार की सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया है।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने हादसे पर दुख जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बारे में जानकर स्तब्ध और व्यथित हूं। हम उच्चतम अलर्ट पर हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहा हूं और सभी विमानन और आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों को त्वरित और समन्वित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। बचाव दल को तैनात कर दिया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं कि चिकित्सा सहायता और राहत सहायता घटनास्थल पर पहुंचाई जाए।

उधर, सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (एसवीपीआईए) प्रवक्ता ने बताया कि एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के चलते सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अहमदाबाद फिलहाल चालू नहीं है।

बिहार विधानसभा चुनाव इस बार जनता लड़ेगी : गिरिराज सिंह

भागलपुर. भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि इस साल होने वाला बिहार विधानसभा चुनाव प्रदेश की जनता लड़ेगी। उन्होंने कहा कि हम लोगों का चुनाव चिन्ह तो होगा, लेकिन हम लोग मात्र दर्शक होंगे। बिहार की जनता इस प्रदेश को पश्चिम बंगाल नहीं बनने देगी।

भागलपुर पहुंचे भारत सरकार के मंत्री गिरिराज सिंह ने केंद्र में एनडीए सरकार के 11 साल के कार्यकाल को लेकर लगी एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

इसके बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, इस बार बिहार की जनता ही बिहार का चुनाव लड़ेगी। बिहार की जनता लालू यादव के राज को फिर से नहीं आने देगी और जो स्थिति पश्चिम बंगाल में है, वही स्थिति हिंदुओं और सामान्य लोगों के लिए नहीं होने देगी।

उन्होंने कहा, बिहार की जनता ने तय कर लिया है कि बिहार को फिर से लालटेन युग में नहीं ले जाना है। बिहार को किस स्थिति में रखना है, उसका फैसला करेंगे। यही कारण है कि जनता ने तय कर लिया है कि इस बार चुनाव वही लड़ेगी। उन्होंने दावे के साथ यह भी कहा कि चुनाव बिहार की जनता ही जीतेगी और बिहार को पश्चिम बंगाल नहीं बनने देगी, यह उनका संकल्प है।

अहमदाबाद विमान हादसा : गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने जताया दुख, केंद्रीय उड्डयन मंत्री ने कहा- घटना की जानकारी पाकर स्तब्ध हूं

गांधीनगर. केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू किंजरापु और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के विमान हादसे पर दुख व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर किए पोस्ट में हादसे को लेकर दुख जाहिर करते हुए लिखा, ÷अहमदाबाद में विमान दुर्घटना के बारे में जानकर स्तब्ध हूं।

उन्होंने कहा, ÷हम अलर्ट पर हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहा हूं और सभी विमानन और आपातकालीन प्रतिक्रिया एजेंसियों को त्वरित और समन्वित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने आगे कहा, ÷बचाव दल को तैनात कर दिया गया है और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं कि चिकित्सा और राहत सहायता

घटनास्थल पर पहुंचाई जाए। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं विमान में सवार सभी लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। वहीं, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी अहमदाबाद विमान हादसे पर दुख जाहिर किया। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट में कहा, ÷अहमदाबाद में एयर इंडिया के यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना से मैं बहुत दुखी हूं। मैंने अधिकारियों को दुर्घटना में तत्काल बचाव एवं राहत कार्य करने तथा घायल यात्रियों के तत्काल उपचार की व्यवस्था युद्ध स्तर पर करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा, ÷मैंने घायल यात्रियों को उपचार के लिए ले जाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था करने तथा अस्पताल में उपचार की सभी व्यवस्थाएं प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

उन्होंने आगे कहा, ÷केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मुझसे बात की है और इस विमान दुर्घटना में बचाव एवं राहत कार्यों के लिए एनडीआरएफ टीमों और केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।÷

इसके अलावा, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुख जाहिर किया।

दिल्ली में पारा 45 डिग्री के पार, शुक्रवार से गर्मी से मिलेगी थोड़ी राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शुक्रवार से गर्मी से थोड़ी राहत मिलने का पूर्वानुमान है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार को भी इसी तरह के मौसम की उम्मीद जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। गुरुवार तक दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी। हालांकि, 13 जून की रात और 14 जून को पश्चिमी विक्षोभ के कारण हल्की बारिश होने की संभावना के साथ गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के बुधवार दोपहर 2 बजे जारी बुलेटिन के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में हीटवेव की स्थिति बनी रहेगी और तापमान 44 से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। भीषण गर्मी के साथ ही राजधानी में हवा में नमी की मात्रा सुबह के समय 39 प्रतिशत रही। वहीं, दक्षिण-पश्चिमी शुष्क हवाओं के कारण गर्मी और ज्यादा असहनीय हो गई है। मौसम विभाग ने बताया कि 12-16 जून के दौरान दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा तथा 12-14 जून के दौरान कोंकण और गोवा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 12 जून को मसूरी में प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में प्रशिक्षणरत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों को संबोधित करेंगे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 19 राज्यों से प्रोन्नत 97 अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। जनसंपर्क अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 12 जून को सुबह पौने दस बजे जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचेंगे और इसके बाद 11 बजकर 30 मिनट पर मसूरी पहुंचेंगे। लोकसभा अध्यक्ष उसी दिन दिल्ली वापस लौट जाएंगे। गौरतलब है कि मसूरी स्थित प्रशासनिक अकादमी में 127 वां इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम राज्य सिविल सेवाओं से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नत अधिकारियों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। इस पाठ्यक्रम में 19 राज्यों की सेवाओं से प्रोन्नत 97 अधिकारी शामिल हैं, जिनमें 73 पुरुष अधिकारी और 24 महिला अधिकारी हैं। यह कार्यक्रम 'विकसित भारत 2047 की राष्ट्रीय दृष्टि और 'मिशन कर्मयोगी' के रूपांतरणीय लक्ष्यों से प्रेरित होकर अधिकारियों को राज्य-स्तरीय प्रशासनिक भूमिकाओं से राष्ट्रीय-स्तर की नेतृत्वकारी जिम्मेदारियों में सुगम रूपांतरण के एक सुव्यवस्थित मंच प्रदान करता है। इसका उद्देश्य नीति निर्माण, अंतर-क्षेत्रीय समन्वय और संस्थागत नेतृत्व के लिए नैतिक, सक्षम और भविष्य के लिए तैयार सिविल सेवकों का निर्माण करना है।

एनसीसी कैडेट्स ने रचा इतिहास, माउंट एवरेस्ट किया फतह, रक्षा राज्य मंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के एक दल ने विश्व की सबसे ऊंची पर्वत की चोटी माउंट एवरेस्ट को सफलतापूर्वक फतह किया है। पर्वतारोहण के क्षेत्र में यह शानदार उपलब्धि हासिल करने वाले इन युवाओं ने ऐसा करके विश्व पटल पर भारत का गौरव बढ़ाया है। बुधवार को भारत के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने माउंट एवरेस्ट अभियान के विजेताओं से मुलाकात की। नई दिल्ली में हुई इस मुलाकात के अवसर पर कैडेट्स ने रक्षा राज्य मंत्री के समक्ष अपने अनुभव साझा किए। राष्ट्रीय कैडेट कोर के इस दल ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई अभियान की योजना, प्रशिक्षण तथा चढ़ाई के दौरान आई चुनौतियों के बारे में रक्षा राज्यमंत्री को विस्तार से बताया। रक्षा राज्य मंत्री ने कैडेट्स के साहस, समर्पण और टीम भावना की सराहना की तथा उनके अद्भुत कार्य के लिए बधाई दी। यह उपलब्धि एनसीसी का अब तक का तीसरा सफल एवरेस्ट अभियान है। इससे पहले 2013 और 2016 में भी ऐसे अभियान सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। इस बार के अभियान दल में कुल 10 कैडेट्स शामिल थे। इनमें 5 लड़के और 5 लड़कियां थीं। एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली इस टीम की औसत उम्र मात्र 19 वर्ष थी। इतना ही नहीं, इनमें से कई तो नवशिक्षित पर्वतारोही भी थे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिले हरियाणा विस स्पीकर हरविंदर कल्याण

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ आधिकारिक बैठक की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच गुरुग्राम में होने वाले शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर चर्चा हुई। बैठक में यह तय हुआ कि शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन आगामी 3 और 4 जुलाई को गुरुग्राम में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी हरियाणा विधानसभा करेगी। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने हरियाणा विधानसभा की ओर से मेजबानी का अवसर प्रदान करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। कल्याण ने कहा कि इस सम्मेलन में देशभर से शहरी स्थानीय निकायों से जुड़े जनप्रतिनिधि, विशेषज्ञ और नीति निर्माता भाग लेंगे। यह सम्मेलन शहरी विकास, स्थानीय स्वशासन और नागरिक सेवाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित होगा।

यूएई ने आतंकवाद पर भारत के रुख पर समर्थन दोहराया

एजेंसी

नई दिल्ली । भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के नेतृत्व द्वारा दिए गए समर्थन और भारत के साथ एकजुटता व्यक्त करने की सराहना की है।यूएई ने विदेश सचिव विक्रम मिस्री के मंगलवार 10 जून को आबू धाबी की यात्रा के दौरान यह रुख दोहराया। यह यात्रा विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और यूएई के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाह्यान के बीच गत वर्ष 13 दिसंबर को नयी दिल्ली में आयोजित 15वीं संयुक्त आयोग बैठक के बाद हुई है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां बताया कि अपनी यात्रा के दौरान विदेश सचिव श्री मिस्री ने भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझीदारी के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा करने के लिए यूएई के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग राज्य मंत्री रीम अल हाशिम के साथ

द्विपक्षीय बैठक की। बैठक में चर्चा व्यापार, निवेश, ऊर्जा, संस्कृति, रक्षा, प्रौद्योगिकी, कांसुलर मामलों सहित विभिन्न क्षेत्रों में बहुआयामी द्विपक्षीय साझीदारी के दायरे को बढ़ाने पर केंद्रित थी। दोनों पक्षों ने आपसी हितों को बढ़ावा देने के लिए बहुपक्षीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मिलकर काम करने पर सहमति जताई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद यूएई नेतृत्व द्वारा दिए गए समर्थन और एकजुटता की सराहना की। विदेश सचिव ने यूएई के सहिष्णुता और सह-अस्तित्व मंत्री शेख नाह्यान बिन मुबारक अल नाह्यान से मुलाकात की और यूएई में रह रहे 43 लाख भारतीयों की देखभाल के लिए शेख नाह्यान को धन्यवाद दिया, जिन्होंने यूएई को अपना दूसरा घर बना लिया है। विदेश सचिव ने यूएई संघीय राष्ट्रीय परिषद के सदस्य और परिषद में रक्षा मामलों, आंतरिक और विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष और आबू धाबी स्थित चरमपंथ और हिंसक चरमपंथ का मुकाबला करने के लिए उत्कृष्टता के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, हेदयाह के अंतर्राष्ट्रीय संचालन बोर्ड के अध्यक्ष अली राशिद अल नूमी के साथ भी एक महत्वपूर्ण बैठक की। चर्चाओं में सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद से लड़ने के लिए दोनों देशों के साझा दृढ़ संकल्प की पुष्टि करने का एक और अवसर मिला।

भारत के बुनियादी ढांचे का विकास, जीवन को आसान बना रहा है : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में पिछले 11 वर्षों में किए गए बुनियादी ढांचे के विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रेलवे से लेकर राजमार्गों, बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा बुनियादी ढांचा नेटवर्क 'जीवन को आसान' बना रहा है और समृद्धि को बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपनी सरकार के 10 जून को अपने तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष, यानी कुल 11 वर्ष पूरे करने के अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने बुनियादी ढांचे में भारत की उत्कृष्ट प्रगति पर जोर दिया - रेलवे, राजमार्गों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक - जिससे बेहतर कनेक्टिविटी, आर्थिक विस्तार और नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने और समृद्धि में वृद्धि हुई है। श्री मोदी ने लिखा, ÷ये बुनियादी ढांचागत विकास के 11 वर्ष रहे हैं, जिसमें उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे को खड़ा किया गया है जिसने भारत के विकास प्रक्षेपवक्र को बढ़ाया है। रेलवे से लेकर राजमार्गों,

बंदरगाहों से लेकर हवाई अड्डों तक, भारत का तेजी से फैल रहा इंफ्रा नेटवर्क 'जीवन को आसान बनाने' और समृद्धि को बढ़ाने में मदद कर रहा है। उन्होंने लिखा, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे के लिए भारत का प्रयास स्थिरता और दीर्घकालिक दृष्टि से प्रेरित है। यह आत्मनिर्भर भारत की नींव रख रहा है।

न्यायिक सक्रियता को न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए : सीजेआई गवई

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस बी. आर. गवई ने कहा कि भारत में न्यायिक सक्रियता का महत्व अवश्य है, लेकिन न्यायपालिका को उन सीमाओं का भी ध्यान रखना चाहिए, जहां उसका हस्तक्षेप अनुचित हो सकता है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, ÷न्यायिक सक्रियता को न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए। सीजेआई गवई ऑक्सफोर्ड यूनियन में एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा, ÷कभी-कभी न्यायपालिका अपनी सीमाएं पार करने की कोशिश करती है और उन क्षेत्रों में प्रवेश कर जाती है, जहां सामान्यतः उसे नहीं जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि विधायिका या कार्यपालिका नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा में विफल रहती है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ेगा। लेकिन, न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति का प्रयोग बहुत ही सीमित और अपवाद स्वरूप

मामलों में किया जाना चाहिए। सीजेआई गवई ने कहा, जब कोई कानून संविधान की मूल संरचना के विरुद्ध हो या मौलिक अधिकारों से सीधे टकराता हो या फिर यदि कोई कानून स्पष्ट रूप से मनमाना और भेदभावपूर्ण हो, तो न्यायालय इसमें हस्तक्षेप कर सकते हैं और उन्होंने ऐसा किया भी है। अपने व्यक्तिगत अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के संविधान ने यह संभव बनाया है कि अनुसूचित जाति से आने वाला एक व्यक्ति, जिसे ऐतिहासिक रूप से 'अस्पृश्य' कहा जाता था, आज देश की सर्वोच्च न्यायिक पद पर बैठकर ऑक्सफोर्ड यूनियन को संबोधित कर रहा है। सीजेआई ने भारतीय संविधान को स्याही में उकेरी गई एक शांत क्रांति करार दिया और कहा कि इसमें समाज के उन वर्गों की धड़कनें हैं, जिन्हें कभी सुना नहीं गया। उन्होंने कहा, संविधान केवल अधिकारों की रक्षा करने को नहीं कहता, बल्कि सक्रिय रूप से आगे बढ़ने, सशक्त करने और सुधारने के लिए भी बाध्य करता है।

पीएम मोदी का 11 साल का कार्यकाल बदली हुई सरकार नहीं, बदले युग का प्रतीकः सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी आगरा पहुंचे। यहां पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार की उपलब्धियों को बताया। साथ ही लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सरेंडर वाले विवादित बयान पर पलटवार भी किया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 साल की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा और एनडीए की सरकार के 11 साल पूरे हुए। यह कार्यकाल बदली देश में बदली हुई सरकार नहीं बल्कि बदले हुए युग का प्रतीक है। इस कार्यकाल में हमारे देश की समृद्धि, सुरक्षा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक गौरव चारों आयामों में पीएम मोदी के नेतृत्व में अभूतपूर्व युगांतकारी परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा, विकास क्षेत्र की बात करें तो 34 किलोमीटर प्रतिदिन नेशनल हाइवे का निर्माण हो रहा है। रेलवे रूट का पूरी तरह से विद्युतीकरण हो गया है। एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी से अधिक हुई है। 23 एम्स हो गए हैं। आठ नई आईआईटी और सात नए आईआईएम बने हैं। 490 से अधिक विश्वविद्यालय बने हैं। करीब 325 नए मेडिकल कॉलेज बने हैं। उन्होंने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयान पर भी पलटवार किया। त्रिवेदी ने कहा, अभी तक कांग्रेस नेताओं के बयान पाकिस्तान की मीडिया, पाकिस्तान की सोशल मीडिया, पाकिस्तानी संसद, पाकिस्तानी मिलिट्री ब्रीफिंग की सुर्खियां बन रहे थे, मगर जो बयान राहुल गांधी

ने दिया है, वो पाकिस्तान के आर्मी चीफ, रक्षा मंत्री ने नहीं बोला। यहां तक कि किसी आतंकी संगठन या आतंकवादियों ने भी ऐसा नहीं कहा। मसूद अजहर, हाफिज सईद ने भी नहीं कहा। उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी पाकिस्तान की मीडिया की सुर्खियां बटोरने के लिए हाफिज से भी बड़े मुहाफिज बनने की कोशिश कर रहे हैं और दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि वह नेता प्रतिपक्ष के पद को धारण करने की योग्यता और परिपक्वता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहे हैं।

भारत ने 11 साल में पार किए कई मील के पत्थर : भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सभी वर्गों के विभिन्न क्षेत्रों में पिछले 11 वर्षों में हासिल किए गए विकासात्मक मील के पत्थरों की एक श्रृंखला का प्रदर्शन किया।भाजपा की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की उपलब्धियों के बारे में मीडिया के सामने एक घंटे तक प्रस्तुति दी। इस बात पर जोर देते हुए कि 2014 में मोदी सरकार के सत्ता संभालने से पहले ऐसी प्रगति कभी नहीं देखी गई थी। इस कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, निर्मला सीतारमण और नितिन गडकरी, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी एवं राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख सहित विभिन्न प्रवक्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि पिछले 11

वर्षों में सरकार ने न केवल आर्थिक परिवर्तन की दिशा में काम किया है, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए लाखों लोगों के सशक्तिकरण के लिए भी काम किया है और देश की सुरक्षा में सुधार किया है। सड़क और रेलवे नेटवर्क का विस्तार किया है, साथ ही पूर्ण विद्युतीकरण किया है, जो सबसे दूरदराज के क्षेत्रों तक आसान पहुंच स्थापित किया है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के रोजगार संबंधी आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ये रोजगार सृजन में वृद्धि और कर्मचारियों के लाभों के बारे में जागरूकता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि साथ ही मोदी सरकार ने चिनाब ब्रिज, अटल टनल और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी सहित कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का नेतृत्व किया है, जो भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का उदाहरण हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य फोकस विकलांगों, ट्रांसजेंडरों और दलित, आदिवासी एवं पिछड़े समूहों सहित हाशिए पर पड़े समुदायों का सशक्तिकरण रहा है। स्वच्छ जल, बिजली, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल सेवाओं जैसी आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच का विस्तार लाखों घरों तक किया गया है। हरित ऊर्जा में भारत के नेतृत्व को भी इस कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया जिसमें मंत्रालय ने कहा कि भारत स्थिरता में नए वैश्विक मानक स्थापित करना जारी रखता है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय नेताओं की प्रशंसा प्राप्त होती है। श्री वैष्णव ने कहा कि जब भारत अपनी पहली स्वतंत्र मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी कर रहा है और चंद्रमा और उससे आगे की ओर देख रहा है, तो अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में सरकार का निवेश वैश्विक मंच पर देश की बढ़ती प्रमुखता को रेखांकित करता है। अंत्योदय के सिद्धांत से निर्देशित होकर, सरकार ने सभी कल्याणकारी योजनाओं में 100 प्रतिशत संतृप्ति के लिए प्रयास किया है। आवास से लेकर स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन तक, पहले से सेवा प्राप्त लाखों वंचित परिवारों के पास अब बुनियादी सेवाओं तक पहुंच है।

प्राइवेट स्कूलों के पक्ष में और अभिभावकों के खिलाफ है भाजपा सरकार का कदम : सौरभ भारद्वाज

एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर प्राइवेट स्कूलों के हित में काम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी को लेकर बनाए गए अध्यादेश से स्पष्ट होता है कि सरकार पूरी तरह से स्कूल प्रबंधन के दबाव में काम कर रही है और यह अध्यादेश राजधानी के मिडिल क्लास अभिभावकों के खिलाफ है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ही प्राइवेट स्कूलों ने यूनिफॉर्म, किताबों और स्टेशनरी के नाम पर मनमाने तरीके से फीस बढ़ा दी। अब तक का नियम था कि फीस बढ़ाने से पहले शिक्षा विभाग से अनुमति लेनी होती थी, लेकिन मौजूदा सरकार ने इसे नजरअंदाज कर स्कूलों की मनमानी पर कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि उल्टा सरकार ने प्राइवेट स्कूलों के समर्थन में एक ऐसा अध्यादेश तैयार किया है जो

सीधे तौर पर अभिभावकों के हितों के खिलाफ है। इस अध्यादेश को न तो विधानसभा में प्रस्तुत किया गया और न ही इसकी जानकारी किसी सार्वजनिक माध्यम से साझा की गई। यह अध्यादेश चोरी-छिपे बनाया गया और अब भाजपा सरकार इसे उपराज्यपाल के जरिए राष्ट्रपति के पास भेजने की तैयारी में है ताकि इसे कानून का रूप दिया जा सके।

श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो भारत दौरे पर

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो चार दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे। यात्रा के पहले दिन की शुरुआत नई दिल्ली में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई।? इसके बाद उन्होंने उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि?, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की।? उनकी इस यात्रा का उद्देश्य द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को बढ़ाने के साथ साझेदारी के नए रास्ते तलाशना है। श्रीलंका सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके देश की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस समारोह में भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसके बाद कई उच्च स्तरीय बैठकें हुईं। इसकी शुरुआत भारतीय सेना के

उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि के साथ गहन बातचीत से हुई। दोनों सैन्य अधिकारियों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं के पहलुओं सहित व्यापक मुद्दों पर चर्चा की। लेफ्टिनेंट जनरल बीकेजीएम लासांथा रोड्रिगो को ऑपरेशन सिंदूर और भारत के सुरक्षा परिप्रेक्ष्य के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें भारतीय सेना के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी आपसी हितों के मामलों के बारे में जानकारी दी। इसके बाद लेफ्टिनेंट जनरल रोड्रिगो ने नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह और रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह से मुलाकात की। इन बैठकों में आपसी हितों के मामलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यापक रक्षा और सुरक्षा मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।?

जितेंद्र सिंह ने नार्वे की मत्स्य पालन एवं महासागर नीति मामलों की मंत्री के साथ की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने नीस (फ्रांस) में नॉर्वे की मत्स्य पालन और महासागर नीति मंत्री मैरिएन सिवर्टसन नेस के साथ स्वस्थ मछली उद्योग, समुद्री संसाधन प्रबंधन, और मसुद्री अर्थव्यवस्था के व्यापक ढांचे से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की ।डॉ सिंह नीस में 09 से 13 जून तक आयोजित तीसरे संयुक्त राष्ट्र महासागर सम्मेलन (यूएनओसी 3) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की ओर से आज यहां जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि बाद में दोनों मंत्रियों के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में यूएनओसी 3 के दौरान आयोजित द्विपक्षीय बैठक में टिकाऊ महासागर शासन और मत्स्य पालन पर सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों मंत्रियों ने समुद्री शासन में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया, जिसमें मत्स्य पालन क्षेत्र में भारत और नॉर्वे के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को दर्शाया गया। चर्चा में समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग, बेहतर डेटा साझाकरण तंत्र और अत्यधिक मछली पकड़ने और समुद्री प्रदूषण

जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों जैसी साझा प्राथमिकताओं को भी शामिल किया गया। दोनों पक्षों ने सतत विकास के लिए महासागर विज्ञान के संयुक्त राष्ट्र दशक (2021-2030) के लक्ष्यों को प्राप्त करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व को स्वीकार किया, जिसमें ज्ञान के आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण और प्रौद्योगिकी साझाकरण पर जोर दिया गया है।

बीएसएफ के खस्ताहाल कोच के वीडियो के बाद ट्रेन बदली गई, चार अधिकारी निलंबित : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बीएसएफ के खस्ताहाल कोच के वीडियो के बाद ट्रेन बदल दी गई। इसके अलावा जवानों के लिए पुरानी ट्रेन उपलब्ध कराने के मामले में चार अधिकारी निलंबित कर दिए गए हैं।

रेल मंत्री वैष्णव ने आज नेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों से कहा कि त्रिपुरा से कश्मीर ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ जवानों के लिए पुरानी ट्रेन की तैनाती से जुड़ी घटना को गंभीरता से लिया गया है। इस चूक के लिए अलीपुरद्वार डिवीजन के चार अधिकारियों को आज से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। ये अधिकारी अलीपुरद्वार मंडल से हैं, जिनमें अलीपुर कोचिंग डिपो के कोचिंग डिपो अधिकारी और अलीपुर मंडल के तीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ जवानों के लिए अब अगरतला से एक विशेष ट्रेन चलाई जाएगी, जिसमें उनकी सुविधा और सम्मान का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। रेल मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि सुरक्षा बलों की गरिमा और सुविधा सर्वोपरि है और इस प्रकार की लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रेल मंत्रालय

द्वारा इस पूरे प्रकरण की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। सुनिश्चित किया जा रहा है कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उल्लेखनीय है कि छह जून को बीएसएफ के 1200 जवानों को त्रिपुरा से अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी पर जाना था। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे ने जो ट्रेन जवानों को मुहैया कराई उसमें खिड़कियां-दरवाजे टूटे थे। जवानों के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में ट्रेन की खिड़कियां टूटी हुई दिखाई दे रही थीं और ऊपर से कोई बर्थ नहीं थी। ट्रेन में कॉकरोच दिखाई दे रहे थे। शौचालय का बुरा हाल था। इसके बाद बीएसएफ ने इस मामले को भारतीय रेलवे के समक्ष उठाया, जिसने बेहतर स्थिति में एक नई ट्रेन भेजी। अब दूसरी ट्रेन अगरतला से चलेगी, जो विशेष ट्रेन के रूप में जवानों को उनके गंतव्य तक पहुंचाएगी। अमरनाथ यात्रा पहली बार 38 दिन की हो रही है। इस बार यह तीन जुलाई से नौ अगस्त तक चलेगी। इस साल यात्रा की अवधि पिछले साल के 52 दिनों के मुकाबले घटाकर 38 दिन कर दी गई है।

प्रधानमंत्री की नई आर्थिक सलाहकार समिति का ऐलान, डीयू-डीएसई के चार सदस्यों को मिली जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डीएसई) से जुड़े चार लोगों को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) में शामिल किया गया है। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए इसे गौरव का क्षण बताया है। कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने कहा कि डीयू और डीएसई के लिए यह गौरव का क्षण है। ये प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री देश की आर्थिक नीतियों के निर्माण में अहम योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स परिवार के चारों सदस्य भारतीय अर्थव्यवस्था का व्यापक और विविध ज्ञान रखते हैं। वहीं, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस के निदेशक प्रोफेसर राम सिंह ने भी खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की नई आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के नवनियुक्त चेयरमैन प्रोफेसर एस. महेंद्र देव डीएसई के पूर्व छात्र हैं। उनके साथ ही डीएसई की पूर्व निदेशक प्रोफेसर पम्मी दुआ को भी ईएसी-पीएम का सदस्य नियुक्त किया गया है। डीएसई की पूर्व विद्यार्थी डॉ. शमिका रवि को ईएसी-पीएम का पूर्णकालिक सदस्य और डीएसई के पूर्व विद्यार्थी प्रोफेसर चेतन घाटे को सदस्य नियुक्त किया गया है। उन्होंने डीयू कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह का धन्यवाद करते हुए कहा कि हमारी नई पहलों और गतिविधियों के लिए उनका निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन बना रहता है। यही कारण है कि डीयू-डीएसई परिवार के सदस्य राष्ट्र निर्माण में अपना भरपूर सहयोग दे रहे हैं। बता दें कि भाजपा नेता प्रोफेसर गौरव वल्लभ को प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद में सदस्य मनोनीत किया गया था। कैबिनेट सचिवालय की ओर से 4 जून को जारी आदेश में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने आर्थिक सलाहकार परिषद के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। परिषद का कार्यकाल दो वर्ष या अगले आदेश तक रहेगा। आर्थिक सलाहकार परिषद एक स्वतंत्र संस्था है, जो सरकार खासकर प्रधानमंत्री को आर्थिक मामलों पर सलाह देती है। यह सलाह परिषद अपनी ओर से या प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए किसी विषय पर हो सकती है।

संपादक की कलम से

जरूरी है, कृतघ्न तुर्किए को कठोर संदेश देना

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 निर्दोष हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या के उत्तर में शुरू ऑपरेशन सिंदूर पाक समर्थित आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार बन गया। चार दिल चले ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की सारी हेकड़ी निकल गई, और वो सीजफायर की भिक्षा मांगने लगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर अवश्य हो गया है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बीच तुर्की खासा सुर्खियों में रहा और उसका पाकिस्तान प्रेम खुलकर सामने आ गया। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, तुर्किए और अजरबैजान का वास्तविक चेहरा अखिल विश्व के समक्ष अनावृत हो गया। पाकिस्तान ने इस दौरान भारत पर जो ड्रोन और मिसाइल दागे वो मेड इन चाइना और तुर्किए में बने थे। पाकिस्तान ने जो चीन की निकृष्ट मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन भारत पर हमले में प्रयोग किये, उनके अवशेष सैन्य बलों के पास हैं। चीन और तुर्किए अब इन प्रमाणों को नकार नहीं सकता है। सीजफायर के बाद पाकिस्तान के मित्र तुर्किए के विरुद्ध भारत में विरोध शुरू हो गया है और सोशल प्लेटफार्म पर बॉयकाट तुर्की मुहिम जोर पकड़ने लगी है। भारतीय टूरिस्ट तुर्किये और अजरबैजान का बॉयकॉट कर रहे हैं। मोदी सरकार ने भी तुर्की को सबक सिखाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। लेकिन जिस तरह देशवासियों ने स्वतः तुर्की और अजरबैजान का बॉयकॉट करने की मुहिम छेड़ी है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम है। भारतीय नागरिकों के इस भाव का प्रभाव तुर्किए के अरबों डॉलर के व्यापार पर पड़ने वाला है। तुर्किये एहसान फरामोशी का सबसे कलंकित उदाहरण हो सकता है। जब फरवरी, 2023 में तुर्किए में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, लगभग चालीस हजार लोग मारे गए थे, इमारतें मिट्टी-मलबा हो गई थीं, तब भारत ने मदद का पहला हाथ बढ़ाया था। भारत ने भूकंप के अलावा भी तुर्किये की कई बार सहायता की है, लेकिन जब मौका आया तो उसने कृतघ्नता ही दिखाई और भारत के शत्रु के पक्ष में खड़ा हो गया। 2009 में तुर्किये ने पहली नैनो सैटेलाइट आईटीयूपीसेट-1 बनाई, जिसे स्पेस में नई टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करना, पृथ्वी की तस्वीरें लेना और आंकड़ा एकत्र करने के लिए भेजा जाना था। इस लॉन्च में भारत ने तुर्किये की मदद की थी। इस सबके उपरांत तुर्किये सदैव पाकिस्तान का समर्थन करता रहा है। तुर्किये ने 2019 में भारत के धारा 370 हटाने का भी विरोध किया था। इसके बाद से लगातार तुर्किये यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली यानी यूएनजीए में कश्मीर का मुद्दा उठाता आया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 6-7 मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, तो तुर्किये खुलकर पाकिस्तान के साथ दिखा। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तुर्किये ने पाकिस्तान को करीब 350 ड्रोन और उन्हें चलाने के लिए ऑपरेटर भेजे। 4 मई को तुर्किये ने नौसेना का युद्धपोत टीसीजी बुयुकडा (एफ-512) पूरे बेड़े के साथ पाकिस्तान के कराची पोर्ट पर भेज दिया। तुर्किए ने पाकिस्तान के पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की अनुशंसा का भी समर्थन किया। 10 मई को सीजफायर के बाद शहबाज शरीफ ने एर्दोगन को मदद करने के लिए शुक्रिया अदा किया।

तुर्किए के पाकिस्तान का साथ देने के बाद भारतीय पर्यटकों ने धड़ाधड़ तुर्की की यात्राएं कैंसिल करवानी शुरू कर दी है। भारतीय पर्यटकों को आज की तारीख में सिर्फ एक आम ट्रैवलर मानना बहुत बड़ी गलती है। क्योंकि ग्लोबल टूरिज्म इंडस्ट्री के लिए भारतीय पर्यटक एक आर्थिक स्तंभ बन चुके हैं। साल 2023 में भारतीय पर्यटकों ने दुनिया के अलग अलग हिस्सों में घूमने में 18 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए। ऐसे में अगर भारतीय पर्यटक किसी देश का बहिष्कार करते हैं तो वो सिर्फ एक सोशल मीडिया पर चलाया गया ट्रेंड नहीं होता है, बल्कि एक भूकंप होता है। पिछले साल जनवरी में मालदीव के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। जिसके बाद भारत और मालदीव के बीच विवाद काफी बढ़ गया। भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बहिष्कार शुरू कर दिया, जिसने कुछ ही समय में मालदीव के नेताओं को घुटने टेकने के लिए विवश कर दिया। मालदीव की अर्थव्यवस्था, जिसमें टूरिज्म सेक्टर का 28 प्रतिशत योगदान है, उसे गहरा धक्का लगा था, लिहाजा अब बारी तुर्की की है।

पिछले कुछ सालों में भारी संख्या में भारतीय पर्यटकों ने घुमने के लिए तुर्की को चुना है। साल 2023 में करीब 2.74 लाख भारतीय नागरिक घूमने के लिए तुर्की गये थे। जबकि 2024 में तुर्की जाने वाले भारतीय पर्यटकों का ये आंकड़ा बढ़कर करीब 3.5 लाख पहुंच गया। भारतीय लोगों के बीच शादी करने, हनीमून मनाने और फैमिली ट्रिप्स के लिए तुर्की तेजी से लोकप्रिय हो रहा था। लेकिन 2025 में तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन करके भारतीयों को अपने विरूद्ध कर लिया है। इसके अलावा भारत जैसे देशों के पर्यटकों का बहिष्कार सिर्फ आर्थिक नहीं, राजनीतिक संदेश भी होता है। पर्यटन के अलावा भारतीय बाजारों में तुर्की से आयातित सेब की बिक्री पर भी प्रभाव पड़ा है। भारतीय कारोबारियों ने अब ईरान, अमेरिका और न्यूजीलैंड से सेब खरीदना शुरू कर दिया है।

ोब उत्पादन करने वाला संघ, जो पहले से ही विदेशों से मंगाए जाने वाले सेब की वजह से नाराज रहता था और तुर्की के सेब पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता रहता था, वो अब प्रसन्न है। इस वित्त वर्ष में तुर्की से 1 लाख 60 हजार टन सेब खरीदे गये थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत तुर्की के साथ व्यापारिक संबंध समाप्त करने की तैयारी मे। भारत तुर्की से दाल, तिलहन और स्टील जैसी चीजें खरीदता है।

दोनों देशों के बीच व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने की योजना थी। लेकिन अब बदले वातावरण में यह संबंध पूर्णत समाप्त हो सकते

नाखूनों में सफेद धब्बे क्यों होते हैं ये किस बीमारी का लक्षण है?

नाखूनों के रंग और स्थिति से भी हमारी सेहत के बारे में पता चलता है. नाखून यदि मजबूत और चमकदार हों तो माना जाता है कि व्यक्ति की सेहत अच्छी है और उसके सभी ऑर्गन सुचारू रूप से काम कर रहे हैं. नाखूनों का खुरदराहोना, गंदे होना, बार बार टूटना और उनका रंग बदलना कई बीमारियों का संकेत होते हैं. नाखूनों पर सफेद धब्बे होना भी बीमारी का ही लक्षण है. हालांकि हम इन्हें नजरअंदाज करते हैं. नाखूनों पर सफेद धब्बे क्यों होते हैं और इसका इलाज क्या है. बता रहे हैं एक्सपर्ट.

नाखूनों पर सफेद धब्बे होना यूं तो बहुत सामान्य बात है और अक्सर यह किसी तरह से भी नुकसानदायक नहीं होते हैं. लेकिन, इनके होने के कई कारण होते हैं. इसके पीछे बीमारी भी होती है. नाखूनों पर सफेद धब्बे फंगस, एलर्जी और कुछ दवाओं के कारण भी हो सकते हैं. इसके अलावा चोट लगने के कारण भी नाखूनों पर सफेद धब्बे पड़ सकते हैं. नाखूनों पर होने वाले सफेद धब्बों को ल्यूकोनीशिया कहा जाता है. यह कई कारणों से हो सकते हैं और इन्हें दूर करने के लिए लंबे समय तक दवाएं भी लेनी पड़ सकती हैं.

किन कारणों से होते हैं सफेद धब्बे

नाखूनों पर सफेद धब्बे ल्यूकोनीशिया होने के कारण कई कारण हो सकते हैं. सामान्य तौर पर यह किसी चोट या किसी संक्रमण, फंगल के कारण हो सकते हैं. इसके अलावा किसी दवा के साइड इफेक्ट के कारण भी ऐसा हो सकता है. इसके अलावा डायबिटीज, हार्ट डिजीज, लिवर की बीमारी और एचआईवी के कारण भी हो सकते हैं. शरीर में आयरन, कैल्शियम और जिंक की कमी के कारण भी नाखूनों पर सफेद धब्बे हो सकते हैं. सामान्य तौर पर यह धब्बे हानिरहित होते हैं और कई बार दवा की भी जरूरत नहीं होती है. जरूरी है कि नाखूनों पर होने वाले सफेद धब्बों का कारण पता किया जाए. नाखूनों पर सफेद धब्बे होने पर डॉक्टर से मिलकर जांच जरूर करवानी चाहिए. यदि किसी बीमारी के कारण धब्बे नहीं हैं तो इलाज की खास जरूरत नहीं होती है. इसकी जांच के लिए ब्लड टेस्ट और बायोप्सी की जा सकती है।

भारत का पक्ष रखने की सराहनीय पहल एवं बेतुका विवाद

- ललित गर्ग

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना एवं उसके बाद भारत के सिंदूर ऑपरेशन में पाकिस्तान को करारी मात देने की घटना से निश्चित ही भारत की ताकत को दुनिया ने देखा। लेकिन इसके बाद पाक दुनिया से सहानुभूति बटोरने के लिये जहां विश्व समुदाय में अनेक भ्रम, भ्रांतिया एवं भारत की छवि को छिछालेदार करने में जुटा है, वहीं भारत का डर दिखा-दिखा कर ही पाक अनेक देशों से आर्थिक मदद मांग रहा है। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए दुनिया के सामने भारत का पक्ष रखने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह से सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया है, यह फैसला जितना सराहनीय है, उतना ही दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है इसका राजनीतिक विवादों में घिर जाना। यह राजनीति से ऊपर, मतभेदों से परे राष्ट्रीय एकता का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब बनना चाहिए। देश की सुरक्षा, सैन्य उपक्रम, राष्ट्रीय एकता-अखण्डता एवं विदेश नीति से जुड़े विषय पर राजनीति होना, देश के हित में नहीं है। पहलगाम हमले के बाद यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान का बचाव करने या उसके साथ मुखरता से खड़े होने वाले देशों या विश्व संगठनों के साथ-साथ भारतीय राजनीतिक दलों में विवाद का बढ़ना चिन्ताजनक है।। भारत के राजनीतिक दल प्रारंभ में एकजुट दिखें लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब उनमें कहीं-कहीं वैचारिक मतभेद उभर रहे हैं। पाकिस्तान दोषी होने के बावजूद पीड़ित होने का स्वांग रचकर सहानुभूति जुटाता रहा है। दुनिया के अनेक देश उसके झांसे में आ भी जाते हैं। ऐसे में, दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में भारत का पक्ष रखने का मोदी सरकार का यह प्रयास बहुत जरूरी एवं दूरगामी सोच से जुड़स है। इस प्रयास को एक बड़े अभियान के रूप में लेना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता और ऑपरेशन सिंदूर का संदेश दुनिया तक पहुंचना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सभी दलों ने सरकार और सेना के प्रति समर्थन जताया था। सरकार ने भी उसी भावना का सम्मान करते हुए सभी दलों के सांसदों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया है। कांग्रेस ने थरूर का नाम नहीं भेजा था, सरकार ने उन्हें अपनी तरफ से शामिल कर लिया। जिनके नाम कांग्रेस ने दिए थे, उनमें से सिर्फ आनंद शर्मा चुने गए। शशि थरुर विदेश नीति के जानकार है। थरूर पहले संयुक्त राष्ट्रसंघ में काम कर चुके हैं, विदेश राज्यमंत्री रह चुके हैं। उनके अनुभव का फायदा निश्चित रूप से प्रतिनिधिमण्डल को मिलेगा, दुनिया में भारत का पक्ष सही परिप्रेक्ष्य में रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। हालांकि कांग्रेस को लगता है कि उसके सांसद को चुनने से पहले उससे पूछा जाना चाहिए था, इस अपेक्षा को गलत भी नहीं कहा जा सकता। मगर वर्तमान संवेदनशील हालातों में इसे विवाद का मुद्दा बनाने से बचा जा सकता था। लेकिन कांग्रेस के सदस्यों, खासकर सांसद शशि थरूर को लेकर हो रहा विवाद बिल्कुल अनचाहा एवं अनुचित है। इससे एक अच्छा एवं प्रासंगिक मकसद नकारात्मक खबरों में घिर गया है। भले ही शशि थरूर और कांग्रेस के रिश्ते पिछले कुछ समय से ठीक नहीं रहे हैं। लेकिन यह एक सांसद और उसकी पार्टी के बीच का मसला है। यहां जो मुद्दा सामने है, वह देश से जुड़ा है। इसमें सभी को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिए।

युद्ध एवं आतंक जैसे हालातों में भारत ने अपना पक्ष रखने के लिए पहले भी समय-समय पर विपक्ष के शीर्ष नेताओं को आगे किया है और उसी परिपाटी को मोदी सरकार ने आगे बढ़ाकर देश की राजनीति व राजनय को मजबूती दी है। सात सदस्यीय बैजयंत जय पांडा, रविशंकर प्रसाद, शशि थरूर, संजय झा, श्रीकांत शिंदे, कनिमोझी करुणानिधि और सुप्रिया सुले के नेतृत्व में हमारे देश के नेता 32 देशों का दौरा करेंगे। यह विपक्ष के नेताओं के लिए भी स्वर्णिम अवसर है कि वह अपनी काबिलियत एवं देशहित को देश के सामने साबित करें। क्योंकि राष्ट्र एवं राष्ट्रीय एकता सबसे ऊपर है। बांटने वाली राजनीति से अलग जब हम देशहित के पक्ष में खड़े होंगे, तभी आतंकवाद से लड़ने में सहूलियत एवं सफलता मिलेगी। क्या दुनिया ने भारत के सीमित सैन्य अभियान के महत्व, संयम और समझदारी को ठीक से समझा है? क्या भारत आतंकवाद के खिलाफ संपूर्ण युद्ध नहीं छेड़ सकता था? अगर भारत ने युद्ध को नहीं बढ़ाया, तो इसका अर्थ कतई यह नहीं कि भारत का पक्ष कमजोर है। भारत चाहता तो पाक को हर मोर्चे पर नेस्तनाबूद कर सकता है, लेकिन भारत का लक्ष्य आतंकवाद को समाप्त करना है।

भारत ने पाकिस्तान और पीओके में बसे 9 आतंकी ठिकानों को रात के अंधेरे में तबाह कर दिया। इसके बाद भारत ने ठान लिया कि पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद परस्त पाकिस्तान का चेहरा बेनकाब करना है, जिसकी जिम्मेदारी अनुभवी एवं विशेषज्ञ सात सांसदों को सौंप कर सरकार ने सूझबूझ एवं परिपक्व नेतृत्व का परिचय दिया है। सांसदों के सात प्रतिनिधिमंडल दुनियाभर के देशों में जाकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखेंगे। हर एक प्रतिनिधिमंडल में 6-7 सांसद और कई राजनयिक शामिल होंगे। भारत की शांति, अहिंसा, विकास एवं विश्व बंधुत्व का संदेश सात प्रतिनिधिमंडलों के जरिये दुनिया तक पहुंचना इसलिए भी जरूरी है कि भारत को तेज विकास करना है और अब वह पहलगाम जैसे किसी आतंकी हमले को बर्दाश्त नहीं कर सकता। गौर करने की बात है कि सात प्रतिनिधिमंडलों में 59 सदस्य शामिल किए गए हैं, जिनमें सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 31 नेता और अन्य दलों के 20 नेता शामिल हैं। इस तरह सर्वदलीय सांसदों की टीमों को अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मिशन पर भेजने से भारत का पक्ष मजबूत होगा, दुनिया में आतंक के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण बनेगा। ये दौरे न सिर्फ आतंकवाद पर भारत की नीतियों को साफ करेंगे, बल्कि पाक की हरकतों को भी दुनिया के सामने बेनकाब करेंगे। सात प्रतिनिधिमंडल में जिन नेताओं को नेतृत्व दिया गया है, उसमें भी अन्य दलों को प्राथमिकता देकर एक संतुलन एवं सूझबूझ का परिचय दिया गया है। आइडिया ऑफ इंडिया के साथ सुगठित इस टीम इंडिया के कंधे पर बड़ी एवं महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। दुनिया के निर्णायक नेताओं से मिलकर यह बताना जरूरी है कि आइडिया ऑफ पाकिस्तान और आइडिया ऑफ इंडिया के बीच कितनी चौड़ी खाई है, यह खाई संबंधित देशों ही नहीं, दुनिया को प्रभावित करने वाली है। दूसरे शब्दों में कहें, तो पाकिस्तान आतंकवादी मानसिकता से ग्रस्त है एवं आतंक को पोषित एवं पल्लवित करने वाला देश है। उसके आतंकवाद ने भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों को भारी नुकसान पहुंचाया है। एक देश, जो आतंक की बुनियाद पर खड़ा है, न उसे शर्म है, न पछतावा। वहां ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों व उनके परिजन को जैसा राजकीय सम्मान दिया गया है, जैसे पाक फौज आतंकी सरगनाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी देखी गई है, उस तरफ से मुंह मोड़कर अगर दुनिया खड़ी होगी, तो यकीन मानिए, फिर इंसानियत का खून होगा और आतंकवाद को बल मिलेगा।

ऑपरेशन सिन्दूर भारत की बदलती रणनीति का हिस्सा बना है। भारत अब पहले की तरह केवल कूटनीतिक जवाब तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह सैन्य कार्रवाई के जरिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश भी देना जानता है। पाक सेना आतंकी संगठनों का इस्तेमाल करती है, लेकिन उसकी यह नीति न केवल भारत के लिए खतरा है, बल्कि पाक के आंतरिक स्थायित्व को भी कमजोर करती है। जब तक पाक सेना अपनी नीतियों में बदलाव नहीं करती तब तक इस तरह के आतंकी तनाव बार-बार सामने आएंगे। पाक भविष्य में फिर से भारत के खिलाफ आतंकी हमले कर सकता है क्योंकि यह उसकी रणनीति का हिस्सा है। पाक सेना की आतंकवाद समर्थक नीतियां और भारत की आक्रामक जवाबी रणनीति इस क्षेत्र में स्थायी शांति की राह में बड़ी बाधाएं हैं। स्पष्ट होता है कि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है बल्कि इसमें पूरी दुनिया से जुड़े गहरे ऐतिहासिक, वैचारिक और रणनीतिक आयाम हैं। इसलिये दुनिया के बड़े राष्ट्र पाक की आतंकी सोच से परिचित हो, इसी सोच से दुनिया को परिचित कराना सात सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल का मिशन है।

श्रेष्ठ सफलता के लिए चिंता नही चिंतन की आवश्यकता

निराशा और चिंता मनुष्य के जीवन की प्रगति के बड़े बाधक हैं' निराशा को तत्काल विचारों से अलग करें और चिंता को अपने मस्तिष्क में ना आने दे अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं करती है अतः सकारात्मक सोच के साथ नवीन संकल्प और दृढ़ निश्चय रखकर जीवन के पथ में अग्रसर हो हों' मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सके' कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है' निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है' जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है' बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैं' सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं' मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए ' यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है' यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है' मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं' सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए'इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है' और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है' भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है'ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।

डिजिटल युग में बचपन और रिश्तों का संकट

डिजिटल युग ने जहां हमारी दुनिया को एक-दूसरे के बेहद करीब ला दिया है, वहीं इसके प्रभाव ने बच्चों के जीवन और पारिवारिक रिश्तों में गहरे बदलाव भी ला दिए हैं। आज के बच्चे आँगन की मिट्टी छोड़कर स्मार्टफोन, टैबलेट और गेमिंग की आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं। उनका बचपन अब स्क्रीन की चकाचौंध में डूबा है, जिससे न केवल पारिवारिक रिश्ते कमजोर हो रहे हैं, बल्कि उनकी मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक सेहत पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा है।कुछ दशक पहले का बचपन आज से बिलकुल अलग था। आँगन में कंचे खेलना, मिट्टी में खेलना, दौड़-भाग और गली-मोहल्ले में दोस्तों के साथ मस्ती करना, हर बच्चे की जिंदगी का अनिवार्य हिस्सा था। बच्चे पसीने से तरबतर होकर घर आते थे। माँ की ममता भरी थपकी और दादी की कहानियाँ उनके दिन की खुशी का आधार हुआ करती थीं। उस वक्त डिजिटल उपकरणों का नामोनिशान भी नहीं था।आज का बचपन बदले हुए दौर की पहचान है। बच्चे मोबाइल फोन, टैबलेट और वीडियो गेम्स की दुनिया में उलझे रहते हैं। वे घंटों एक छोटी सी स्क्रीन के सामने बैठकर आभासी पात्रों के साथ लड़ते-झगड़ते हैं, लेकिन असली दुनिया से उनकी दूरी बढ़ती जा रही है। वे पारिवारिक संवाद और वास्तविक सामाजिक मेलजोल से दूर हो रहे हैं।मनोवैज्ञानिक और शोधकर्ता इस बात पर सहमत हैं कि बच्चों में स्क्रीन टाइम का अत्यधिक उपयोग उनके मानसिक और शारीरिक विकास के लिए नुकसानदायक है। राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य सर्वेक्षण-2023 के अनुसार, 12-18 वर्ष के लगभग 75% बच्चे दिन में चार से छह घंटे तक मोबाइल या टैबलेट का उपयोग करते हैं, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक इस उम्र के बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम दो घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। अधिक देर तक स्क्रीन देखने से बच्चों की नींद प्रभावित होती है, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता घटती है और मानसिक तनाव बढ़ता है। इससे अवसाद, चिड़चिड़ापन और अकेलेपन जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। साथ ही शारीरिक रूप से भी वे सक्रिय नहीं रहते, जिससे मोटापा, दृष्टि की कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें बढ़ रही हैं।परिवार के सदस्य भी एक-दूसरे के साथ समय बिताने की बजाय अपने-अपने मोबाइल या डिजिटल उपकरणों में खोए रहते हैं। भोजन करते समय भी अधिकतर लोग फोन पर व्यस्त रहते हैं। बच्चों के साथ संवाद की कमी उनके और माता-पिता के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ा रही है। बच्चे अपने मन की बात कहने में संकोच करते हैं, जिससे उनका मनोबल कमजोर होता है। परिवार में संवाद की कमी से बच्चों की समझ और सहानुभूति विकसित नहीं हो पाती। वे अपनी भावनाओं को सही ढंग से अभिव्यक्त नहीं कर पाते, जो रिश्तों में दरार का कारण बनता है। इसका असर उनकी सामाजिक व्यवहार, दोस्ती और रिश्तों की गुणवत्ता पर भी पड़ता है।स्क्रीन के सामने बिताया गया अधिक समय बच्चों के सामाजिक कौशल को प्रभावित करता है। वे वास्तविक जीवन के संपर्क में कम आते हैं, जिससे उनकी संवाद क्षमता, सहनशीलता और टीम भावना कमजोर होती है। बच्चे जो जीवन के अनुभवों और अलग-अलग लोगों से मिलने-जुलने से सीखते हैं, वे अनुभव डिजिटल माध्यम से पूरी तरह से नहीं हो सकते। भावनात्मक विकास के लिए भी पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक मेलजोल की जरूरत होती है। बच्चे अपनी खुशियों, दुखों और परेशानियों को परिवार या करीबी दोस्तों के साथ बांटकर मानसिक रूप से स्वस्थ रहते हैं। परंतु डिजिटल युग में इस आदत का टूटना, बच्चों को अकेला और असहाय महसूस कराता है।आज के बच्चे अपनी दोस्ती को फॉलोअर्स, लाइक्स और कमेंट्स तक सीमित कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर जो मित्रता होती है, वह अक्सर सतही और अस्थायी होती है। आभासी मित्रों से मिलने वाली स्वीकार्यता अस्थायी संतुष्टि देती है, लेकिन असली जीवन के कठिन समय में वे समर्थन नहीं दे पाते। गेमिंग की दुनिया में बच्चे जीतने के लिए कई बार आपस में लड़ते हैं, झूठ बोलते हैं या अनैतिक रास्ते अपनाते हैं। यह उनकी नैतिकता और व्यवहार को प्रभावित करता है। खेलों की इस प्रतिस्पर्धा में बच्चों का आपसी प्रेम और सम्मान कम होता जा रहा है।बच्चों के इस डिजिटल मोह को समझना और नियंत्रित करना आज माता-पिता और शिक्षकों की जिम्मेदारी है। माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों के साथ समय बिताएं, उनकी रुचियों को समझें और उन्हें रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। उन्हें चाहिए कि वे बच्चों के मोबाइल और इंटरनेट के उपयोग पर नजर रखें और उचित समय सीमा तय करें। स्कूलों में भी डिजिटल लत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम होने चाहिए, जहाँ बच्चों को डिजिटल संतुलन का महत्व समझाया जाए। बच्चों को प्राकृतिक खेलों, कला, संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए ताकि उनका मानसिक विकास स्वस्थ हो।सांस्कृतिक और सामाजिक बदलाव की जरूरतयह समस्या केवल व्यक्तिगत स्तर की नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव की भी मांग करती है। हमें समाज के रूप में यह स्वीकार करना होगा कि आभासी दुनिया कभी भी वास्तविक जीवन का विकल्प नहीं हो सकती।

अभी और खिलाड़ी लेंगे संन्यास... दिग्गज का चौंकाने वाला दावा, क्रिकेट जगत में मचा हड़कंप

नई दिल्ली। पिछले कुछ हफ्तों में कई स्टार खिलाड़ी संन्यास का ऐलान कर चुके हैं. इसमें सबसे नया नाम वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन का है. निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़कर सभी को चौंका दिया था. ऐसे में अब वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और मौजूदा हेड कोच डैरेन सैमी ने निकोलस पूरन के इंटरनेशनल क्रिकेट से अचानक संन्यास लेने को लेकर गहरी चिंता जताई है. सैमी का मानना है कि यह घटना वेस्टइंडीज क्रिकेट के सामने एक बड़ी चुनौती को उजागर करती है.

डैरेन सैमी का चौंकाने वाला दावा

पूरन वेस्टइंडीज के टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, उन्होंने कभी भी टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला और उनकी आखिरी वनडे पारी दो साल पहले खेली गई थी. उनका ये फैसला इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप महज आठ महीने बाद खेला जाना है. उनके इस फैसले के पीछे की से बड़ी वजह फ्रेंचाइजी क्रिकेट को माना जा रहा है. वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट से सबसे ज्यादा कमाई कमाई करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं. ऐसे में डैरेन सैमी का मानना है कि आने वाले समय में और खिलाड़ी इसी राह

पर चल सकते हैं और कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट छोड़ सकते हैं.

सैमी ने इंग्लैंड दौरे पर वेस्टइंडीज की छठी लगातार हार के बाद पूरन के संन्यास पर कहा, 'मेरी अंतरात्मा की आवाज कह रही थी कि ऐसा कुछ होगा. आदर्श रूप से ऐसी प्रतिभा को मैं टीम में रखना पसंद करूंगा. लेकिन मैं किसी के करियर को नियंत्रित नहीं कर सकता. मैंने उसे शुभकामनाएं दी, उसने टीम को शुभकामनाएं दीं. अब निकोलस पूरन के बिना रणनीति पर आगे बढ़ने की कोशिश की जा रही है. वर्ल्ड कप आने वाला है, मैं इस तथ्य का सम्मान करता हूं कि उसने हमें काफी पहले बताया ताकि हमारे पास उसके बिना योजना बनाने के लिए ज्यादा समय हो.'

और भी खिलाड़ी लेंगे संन्यास...

सैमी ने यह भी अनुमान लगाया कि टी20 क्रिकेट के बढ़ते चलन और फ्रेंचाइजी लीग के आकर्षण के कारण और भी खिलाड़ी जल्दी संन्यास ले सकते हैं. उन्होंने साउथ अफ्रीका के हेनरिक क्लासेन और क्विंटन डी कॉक जैसे खिलाड़ियों का उदाहरण दिया, जिन्होंने कम उम्र में ये फैसला लिया है.

सैमी ने कहा, 'मुझे पूरा यकीन है कि और भी खिलाड़ी इस दिशा में आगे बढ़ेंगे. आपने देखा कि हर कोई हेनरिक क्लासेन, क्विंटन डिकॉक, इन खिलाड़ियों के बारे में बात कर रहा है जो संन्यास ले चुके हैं. यह हमारे नियंत्रण से बाहर है.'

मोहम्मद शमी के लिए इंग्लैंड से आई बुरी खबर, लगा इतना बड़ा झटका

नई दिल्ली। भारतीय स्टार गेंदबाज मोहम्मद शमी फिलहाल इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं. इस बार उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में नहीं चुना गया है. इसी बीच उनके लिए एक बुरी खबर सामने आई है. दरअसल, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 का फाइनल मैच डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की टीमों के बीच खेला जा रहा है. ये मुकाबला लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर हो रहा है. इस मुकाबले के बीच मोहम्मद शमी का एक बड़ा रिकॉर्ड टूट गया है.

टूट गया मोहम्मद शमी का बड़ा रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 फाइनल के पहले दिन एक नया इतिहास रच दिया है. उन्होंने आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. यह उपलब्धि उन्होंने लॉर्ड्स मैदान पर हासिल की. स्टार्क ने इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के दिग्गज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो अब तक फाइनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे.

मिचेल स्टार्क इस मैच में अभी तक 2 विकेट चटका चुके हैं और अब पांच आईसीसी फाइनल में उनके नाम 11 विकेट हो गए हैं, जो उन्हें इस लिस्ट में सबसे आगे ला खड़ा करता है. इससे पहले मोहम्मद शमी चार फाइनल में 10 विकेट लेकर इस लिस्ट में टॉप पर थे. स्टार्क की यह उपलब्धि उनके बड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने की क्षमता को दर्शाती है. फाइनल के पहले दिन उन्होंने साउथ अफ्रीका की पहली पारी में शुरुआती झटके देकर अपनी छाप छोड़ी, जिसमें उन्होंने एडेन मार्कराम को बिना खाता खोले आउट किया और रयान रिकेलटन को 16 रन पर पवेलियन भेजा. इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने दिन का अंत 2/10 के आंकड़ों के साथ किया.

राशिद खान ने अचानक क्रिकेट से बनाई दूरी, IPL 2025 में फ्लॉप रहने के बाद लिया चौंकाने वाला फैसला

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) 2025 की शुरुआत 13 जून से होने जा रही है. लेकिन इससे पहले एमआई न्यूयॉर्क की टीम को बड़ा झटका लगा है. अफगानिस्तान के स्टार खिलाड़ी लेग स्पिनर राशिद खान ने बड़ा फैसला लिया है, जिसने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. हाल ही में राशिद खान का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है, आईपीएल 2025 में भी वह पूरी तरह फ्लॉप रहे थे. जिसको ध्यान में रखते हुए उन्होंने बड़ा कदम उठाया है.

राशिद खान ने लिया बड़ा फैसला

राशिद खान मेजर लीग क्रिकेट 2025 में एमआई न्यूयॉर्क की टीम का हिस्सा नहीं होंगे. राशिद खान ने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है, जिसके चलते वे इस साल एमएलसी में नहीं खेलेंगे. वह पिछले एमएलसी सीजन में एमआई न्यूयॉर्क के लिए सबसे सफल गेंदबाज थे, उन्होंने पिछले साल 6.15 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ 10 विकेट लिए थे. हालांकि, उनकी टीम सात में से केवल दो मैच जीतकर चौथे स्थान पर रही थी. राशिद का इस बार ना होना एमआई न्यूयॉर्क के लिए बड़ा नुकसान होगा, क्योंकि उनकी गेंदबाजी टीम की रीढ़ थी.राशिद खान ने लिया बड़ा फैसला

राशिद खान मेजर लीग क्रिकेट 2025 में एमआई न्यूयॉर्क की टीम का हिस्सा नहीं होंगे. राशिद खान ने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है, जिसके चलते वे इस साल एमएलसी में नहीं खेलेंगे. वह पिछले एमएलसी सीजन में एमआई न्यूयॉर्क के लिए सबसे सफल गेंदबाज थे, उन्होंने पिछले साल 6.15 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ 10 विकेट लिए थे. हालांकि, उनकी टीम सात में से केवल दो मैच जीतकर चौथे स्थान पर रही थी. राशिद का इस बार ना होना एमआई न्यूयॉर्क के लिए बड़ा नुकसान होगा, क्योंकि उनकी गेंदबाजी टीम की रीढ़ थी. राशिद खान ने कब तक के लिए क्रिकेट से दूरी बनाई है, फिलहाल इस पर कोई अपडेट सामने नहीं आया है. लेकिन राशिद का ब्रेक लेने का फैसला उनके लंबे करियर को ध्यान में रखते हुए समझदारी भरा कदम माना जा सकता है. इसके पीछे की वजह मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना भी हो सकता है.

99 साल पुराना महारिकॉर्ड स्वाहा... स्टीव स्मिथ निकले सबसे आगे, डॉन ब्रैडमैन भी रह गए पीछे

नई दिल्ली. लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर जारी डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले दिन साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का एक छोर से जहां विकेट गिर रहे थे, वहीं दूसरे छोर पर स्टीव स्मिथ खूंटा गाड़े खड़े थे. दाएं हाथ के बल्लेबाज स्मिथ ने दूसरे सेशन में अपना अर्धशतक पूरा किया. उन्होंने पारी के 33वें ओवर में तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा की गेंद पर चौका जड़कर टेस्ट करियर का 42वां अर्धशतक पूरा किया. इस स्टार बल्लेबाजा ने 51वां रन पूरा करते ही इस ग्राउंड पर 99 साल पुराना महारिकॉर्ड तोड़कर नया इतिहास बना दिया. स्मिथ की रिकॉर्ड पारी के दम पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 200 का आंकड़ा पार किया. ऑस्ट्रेलिया को सातवें ओवर में दो बड़े झटके लग गए थे. लेकिन दूसरे छोर पर स्मिथ डटे रहे.

स्टीव स्मिथ ने 112 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 66 रन बनाए. स्मिथ लॉर्ड्स में टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विदेशी बल्लेबाज बन गए हैं. उन्होंने अपने ही देश के पूर्व खिलाड़ी वॉरेन बार्डस्ले के महारिकॉर्ड को तोड़ा. ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी वॉरेन बार्डस्ले ने साल 1909 से 1926 के बीच लॉर्ड्स में 5 टेस्ट मैचों की 7 पारियों में 2 शतक और 2 अर्धशतक की मदद से

575 रन बनाए थे. लेकिन अब वॉरेन के सर्वाधिक रन के रिकॉर्ड को स्मिथ ने तोड़ दिया है. अब स्मिथ के लॉर्ड्स में 591 रन हो गए हैं. उन्होंने इस वेन्यू पर 2 शतक और तीन अर्धशतक जड़े हैं.

सोबर्स-ब्रैडमैन के रिकॉर्ड भी तोड़े

स्मिथ ने इस दौरान सर डॉन ब्रैडमैन और वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी गैरी सोबर्स के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया. ब्रैडमैन के नाम लॉर्ड्स में 4 टेस्ट मैचों की 8 पारियों में 551 रन हैं. वहीं, गैरी सोबर्स ने 5 टेस्ट की 9 पारियों में 571 रन बनाया था.लॉर्ड्स में टेस्ट में 600 रन बनाने वाले स्मिथ दुनिया के पहले बल्लेबाज भी बन सकते हैं.

इस मामले में बॉर्डर-रिचर्ड्स को पछाड़ा

इंग्लैंड की सरजमीं पर टेस्ट में सर्वाधिक 50 प्लस स्कोर के मामले में स्टीव स्मिथ सबसे आगे निकल गए हैं. उन्होंने इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एलन बॉर्डर और विव रिचर्ड्स का रिकॉर्ड तोड़ा. स्मिथ के नाम इंग्लैंड में 23 टेस्ट में 18 फिफ्टी प्लस स्कोर हो गए हैं जो सर्वाधिक हैं.इससे पहले बॉर्डर ने 25 टेस्ट में 17 बार और रिचर्ड्स ने 24 टेस्ट मैच में यह उपलब्धि हासिल की थी.

अभिषेक शर्मा के बाद तिलक वर्मा... टी20 रैंकिंग टीम इंडिया का जलवा, टॉप 6 में भारत के 3 बल्लेबाज

नई दिल्ली. तिलक वर्मा आईसीसी टी20 बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में एक पायदान चढ़कर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं.वहीं विस्फोटक ओपनर अभिषेक शर्मा दूसरे नंबर पर कायम हैं. भारत के मिस्टर 360 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव छठे स्थान पर खिसक गए हैं. गेंदबाजों की रैंकिंग में मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती तीसरे और रवि बिश्नोई सातवें नंबर पर हैं. तिलक के 804 रेटिंग अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर मौजूद हमवतन अभिषेक शर्मा से पीछे हैं.ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार हैं. भारत के सूर्यकुमार यादव एक स्थान के नुकसान से छठे स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल हैं. गेंदबाजी रैंकिंग में चक्रवर्ती (706) और बिश्नोई (674) के अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (653) भी शीर्ष 10 में शामिल भारतीय गेंदबाज हैं. हार्दिक पंड्या 252 रेटिंग अंक के साथ ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर हैं. इंग्लैंड के आदिल राशिद गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से दूसरे पायदान पर हैं. उन्होंने वेस्टइंडीज पर इंग्लैंड की 3-0 की जीत के दौरान चार विकेट चटकाए. राशिद के 710 अंक हैं और वह शीर्ष पर चल रहे न्यूजीलैंड के जैकब डफी (723) से सिर्फ 13 अंक पीछे हैं.

बेन डकेट को 48 स्थान का हुआ फायदा

राशिद के टीम के साथी ब्राइडन

कार्स दो मैच में दो विकेट की बदौलत 16 स्थान की छलांग लगाकर 52वें स्थान पर पहुंच गए. अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय में 46 गेंद में 84 रन की तूफानी पारी खेलने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट 48 स्थान के फायदे से 16वें पायदान पर हैं. सीरीज में नाबाद 35 और 34 रन की पारी खेलने वाले हैरी ब्रूक छठ स्थान के फायदे से संयुक्त 38वें स्थान पर हैं.

शाई होप ने लगाई 14 स्थान की छलांग

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप दो बार 40 रन से अधिक की पारियां खेलने के बाद 14 स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर हैं. अंतिम मैच में 45 गेंद में नाबार 79 रन की पारी खेलने वाले रोवमैन पावेल शीर्ष 20 बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं.

कोई नहीं है टक्कर में... मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ स्टार्क बने नंबर वन, आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहली बार हुआ ऐसा

नई दिल्ली। मिचेल स्टार्क ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड दर्ज कर लिया है. स्टार्क आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं. उन्होंने इस दौरान भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का रिकॉर्ड तोड़ा. शमी इस समय टीम इंडिया से बाहर हैं. उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है.स्टार्क ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया बनाम साउथ अफ्रीका डब्ल्यूटीसी फाइनल मैच के पहले दिन हासिल की. ये मुकाबला लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 7 ओवर में 10 रन देकर 2 विकेट लिए.उन्होंने पहले ओवर में ही साउथ अफ्रीकी ओपनर एडेन मार्करम को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को धमाकेदार शुरुआत दिलाई.आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में सर्वाधिक 10 विकेट लेने का रिकॉर्ड शमी के

नाम था लेकिन अब स्टार्क ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है. शमी ने 6 पारियों में 10 विकेट लिए थे लेकिन स्टार्क ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में उन्हें पीछे छोड़ दिया. स्टार्क के 11 विकेट हो गए हैं.

स्टार्क के आईसीसी फाइनल में 11 विकेट हो चुके हैं

स्टार्क ने 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे विश्व कप फाइनल में दो विकेट लिए थे. और भारत के खिलाफ डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में चौका लगाया थ. उन्होंने मौजूदा डब्ल्यूटीसी फाइनल में दो विकेट लेने से पहले भारत के खिलाफ वनडे विश्व कप 2023 फाइनल में भी तीन विकेट लिए थे. इस लिस्ट में स्टार्क और शमी के बाद तीसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट हैं जो 5 पारियों में 8 विकेट ले चुके हैं और भारत के रवींद्र जडेजा भी आठ विकेट अपने नाम कर चुके हैं.

स्टार्क ने डब्ल्यूटीसी में विकेटों की संख्या 74 तक पहुंचायाई

मिचेल स्टार्क (Mitchell Starc) ने डब्ल्यूटीसी 2023-2025 में अपने विकेटों की संख्या को 74 तक पहुंचा दिया है.वह पैट कमिंस के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं. मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड जसप्रीत बुमराह के नाम है, जिन्होंने 77 विकेट लिए हैं.

स्टार्क ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में इयान बॉथम (383) को भी पीछे छोड़ दिया. इस प्रारूप में अपने विकेटों की संख्या को 384 तक पहुंचा दिया है.

स्टार्क ने मार्करम और रिकेल्टन को भेजा पवेलियन

मिचेल स्टार्क ने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऐडन मार्करम (00) और रेयान रिकेल्टन (16) को जल्दी पवेलियन भेजकर ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई. कप्तान पैट कमिंस (14/1) और जोश हेजलवुड (10/1) ने भी एक-एक विकेट चटकाया. दिन का खेल खत्म होने पर डेविड बेडिंघम आठ जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा तीन रन बनाकर खेल रहे थे. दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 169 रन से पीछे है.

51 रन देकर 5 विकेट... ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर कहर बनकर टूट पड़े रबाडा, जसप्रीत बुमराह की कर ली बराबरी

कैगिसो रबाडा ने डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले दिन 5 विकेट अपने नाम किए. उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जबरदस्त गेंदबाजी की. इस दौरान रबाडा ने भारत के जसप्रीत बुमराह के एक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली जबकि हमवतन दिग्गज पेसर एलन डोनाल्ड से आगे निकल गए. रबाडा डब्ल्यूटीसी फाइनल में 5 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज भी बने.

नई दिल्ली. वर्तमान में दुनिया के खूंखार तेज गेंदबाजों में शुमार साउथ अफ्रीका के कैगिसो रबाडा ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गजब की गेंदबाजी की. उन्होंने अकेले ऑस्ट्रेलिया की आधी टीम पवेलियन में भेज दिया.दाएं हाथ के तेज गेंदबाज रबाडा लॉर्ड्स के ऐतिहासिक ग्राउंड पर एक से ज्यादा बार 5 विकेट हॉल अपने नाम करने वाले साउथ अफ्रीका के तीसरे गेंदबाज बने. साथ ही उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली.रबाडा डब्ल्यूटीसी के इतिहास में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में संयुक्त रूप से बुमराह संग पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं. दूसरी पारी में एक विकेट लेते ही वह बुमराह को पीछे छोड़ देंगे.

30 वर्षीय दाएं हाथ के गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में 15.4 ओवर की गेंदबाजी में 5 ओवर मेडन डालते हुए 51 रन देकर 5 विकेट अपने नाम किए. डब्ल्यूटीसी के फाइनल में एक पारी में 5 विकेट लेने वाले वह दुनिया के दूसरे गेंदबाज हैं. डब्ल्यूटीसी में अब रबाडा और बुमराह के एक समान 156 विकेट हो गए हैं. इस लिस्ट में 210 विकेट के साथ ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर नाथन लियोन पहले नंबर पर हैं जबकि पैट कमिंस 200 विकेट लेकर दूसरे नंबर पर हैं. भारत के आर अश्विन के नाम डब्ल्यूटीसी में 191 विकेट दर्ज हैं.

रबाडा चौथे नंबर पर पहुंचे

कैगिसो रबाडा टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं. इस लिस्ट में डेल स्टेन 439 विकेट के साथ नंबर वन पर हैं. दूसरे नंबर पर शॉन पोलक हैं जिन्होंने 421 टेस्ट विकेट लिए हैं वहीं मखाया एंटिनी 390 विकेट के साथ तीसरे जबकि रबाडा 331 विकेट के साथ चौथे नंबर पर हैं.पोलक 330 विकेट के साथ पांचवें नंबर पर खिसक गए हैं. डब्ल्यूटीसी फाइनल में रबाडा से पहले न्यूजीलैंड के काइल जैमीसन ने 5 विकेट लिया था.उन्होंने भारत के खिलाफ 31 रन देकर 5 विकेट चटकाए थे. जैमीसन के क्लब में अब रबाडा भी पहुंच गए हैं.

दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 169 रन से पीछे है

रबाडा (51/5) और मार्को यानसेन (49/3) की धारदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया को 212 रन पर समेटने के बाद दक्षिण अफ्रीका की भी पहले दिन शुरुआत खराब रही.उसने 43 रन तक 4 विकेट गंवा दिए. मिचेल स्टार्क (10/2) ने दोनों सलामी बल्लेबाजों ऐडन मारक्रम (00) और रेयान रिकेल्टन (16) को जल्दी पवेलियन भेजकर ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई.

कप्तान पैट कमिंस (14/1) और जोश हेजलवुड (10/1) ने भी एक-एक विकेट चटकाया. दिन का खेल खत्म होने पर डेविड बेडिंघम आठ जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा तीन रन बनाकर खेल रहे थे. दक्षिण अफ्रीका की टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 169 रन से पीछे है.

कॉफी के लिए राजी होकर मोबाइल कर लेती थी बंद, पहली डेट के लिए 3 साल तक कराया इंतजार

धर्म बदलकर एक्ट्रेस ने क्रिकेटर से की थी शादी

नई दिल्ली. लव के लिए कुछ भी करेगा. क्रिकेट खिलाड़ियों से शादी के लिए बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने अपने धर्म और नाम को बदल लिया था. इन्हीं में शामिल हैं ब्रिटिश मॉडल और एक्ट्रेस हेजल कीच.जिन्होंने दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह से शादी के लिए अपना धर्म बदल लिया था. उन्हें एक नया नाम भी मिला था. उस नए नाम के तहत हेजल ने युवी से सिख रिति रिवाज से शादी की थी. युवी और हेजल की शादी 30 नवंबर 2016 को हुई थी. हेजल शादी से पहले हाफ ब्रिटिश और हाफ इंडियन थीं, जिन्होंने बाद में सिख धर्म को अपनाया.उनका बदलकर गुरबसंत कौर रखा गया. दोनों की लव स्टोरी बेहद फिल्मी है. हेजल ने युवराज को पहली डेट के लिए लगभग 3 साल तक तरसाया.

युवराज सिंह और हेजल कीच की लव स्टोरी भी काफी रोचक है. एक ऐसा दौर था जब हेजल के लिए युवराज काफी क्रेजी थे. युवराज इस हसीना से दोस्ती करना चाहते थे. लेकिन तब हेजल के नखरें ज्यादा थे. वो युवराज को लाइक नहीं करती थी.युवराज ने कुछ साल पहले हेजल कीच के साथ पहली मुलाकात के बारे में एक इंटरव्यू में बताया था. उन्होंने ये भी बताया था कि हेजल के साथ पहली डेट के लिए कैसे उन्हें 3 साल तक लंबा इंतजार करना पड़ा. युवराज के मुताबिक जब वो हेजल से कॉफी के लिए कहते थे तो वो हां में जवाब देती थी लेकिन उसके बाद वो अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर लेती थीं. ताकि नहीं आना पड़े. युवराज के साथ ऐसा तकरीबन 7 से 8 बार हुआ था.

कॉमन फ्रेंड के जरिए युवराज की मुलाकात हेजल से हुई थी

युवराज सिंह ने तब बताया था कि हेजल से उनकी पहली मुलाकात कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी. इसके बाद दोनों लगातार मिलने लगे. कुछ समय बाद युवराज ने मौका देखकर हेजल को प्रपोज किया और इस हसीना ने भी युवराज को

मना नहीं किया. युवी ने ये भी बताया था कि हेजल को क्रिकेट में कोई दिलचस्पी नहीं है. तब हेजल को ये भी नहीं पता था कि युवराज किस टीम से खेलते हैं. जब शादी की बात आई तब युवराज सिंह की मां शबनम सिंह को हेजल पसंद नहीं थीं. शबनम सिंह एक्ट्रेस हेजल के बोल्ड लुक से चिंतित थीं. हालांकि बाद में हेजल ने युवराज की मां का दिल जीत लिया.

हेजल की मुस्कान पर फिदा थे युवराज सिंह

हेजल की मुस्कान पर युवराज सिंह फिदा थे. युवराज ने ये भी बताया था कि बॉलीवुड फिल्म 'बॉडीगार्ड' में उन्हें हेजल कीच का काम बहुत पसंद आया था. वहीं, कपिल शर्मा शो में हेजल कीच ने बताया कि पार्टी में मिलने के बाद युवराज ने उनसे कॉफी पर चलने के लिए कहा था. हेजल ने ये भी खुलासा किया था क्यों वो मोबाइल को स्विच ऑफ कर लेती थीं. हेजल का कहना था कि वो युवराज को कोई गलत मैसेज नहीं देना चाहती थी और इनकार कर उनके इगो को हर्ट नहीं करना चाहती थी. इसलिए वह अपना फोन बंद कर देती थीं.

संत बाबा राम सिंह ने हेजल को दिया था गुरबसंत कौर नाम

हेजल कीच को गुरबसंत कौर नाम संत बाबा राम सिंह जी ने दिया था. युवी की मां शबनम सिंह संत और डेरा के फॉलोअर हैं. सिख रिति रिवाज से शादी के बाद दोनों ने एक सप्ताह बाद फिर से हिंदू रिति रिवाज से शादी की. युवराज सिंह ने जब हिंदू रिति रिवाज से शादी की उस समय वह बुलेट पर सवार होकर आए थे. 25 जनवरी 2022 को युवराज सिंह और हेजल कीच बेटे के माता-पिता बने. युवराज और हेजल ने अपने बेटे को ओरियन नाम दिया है. साल 2023 में युवी के घर लक्ष्मी का आगमन हुआ. हेजल ने बिटिया को जन्म दिया जिसका नाम ऑरा है.

UPI फेक या रियल अब हर ट्रांजैक्शन पर रखेगा SEBI नजर, नहीं होगी धोखाधड़ी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अब लेन-देन और ज्यादा सुरक्षित और पारदर्शी हो जाएगा. बाजार नियामक सेबी (SEBI) ने Valid UPI नाम से एक नया और यूनिक पेमेंट सिस्टम लॉन्च किया है, जो 1 अक्टूबर 2025 से पूरे देश में लागू होगा. इस सिस्टम के जरिए निवेशक अब केवल सेबी से रजिस्टर्ड ब्रोकर, म्यूचुअल फंड, रिसर्च एनालिस्ट या इन्वेस्टमेंट एडवाइजर को ही भुगतान कर सकेंगे.

क्या है Valid UPI सिस्टम?

इस नई व्यवस्था के तहत हर रजिस्टर्ड ब्रोकर या मार्केट इंटरमीडियरी को एक विशेष PI ID दी जाएगी, जिसमें झ्1ड्डद्यद्बस्र हैंडल होगा. इस ढ्ढष्ठ पर एक ग्रीन थम्ब्स-अप का चिन्ह भी दिखेगा, जो यह पुष्टि करेगा कि संबंधित संस्था सेबी द्वारा अधिकृत है. इससे निवेशकों को यह पहचानने में आसानी होगी कि उनका पैसा सही और प्रमाणिक संस्था को जा रहा है या नहीं.

धोखाधड़ी से बचाएगा Valid

सेबी चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने कहा कि, हम UPI इकोसिस्टम में ऐसा मैकेनिज्म ला रहे हैं जिससे यह पता लगाया जा सके कि कोई UPI एड्रेस असली है या नहीं. सेबी का मानना है कि इससे फर्जी संस्थाओं के जाल में फंसने की आशंका घटेगी और निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा. यह सिस्टम NPCI, बैंकों और अन्य बाजार नियामकों के साथ मिलकर तैयार किया गया है.

SEBI Check से करें वेरिफिकेशन

इसके साथ ही सेबी ने SEBI Check नामक एक अतिरिक्त सुविधा भी शुरू की है, जिसके जरिए निवेशक किसी भी ब्रोकर या संस्थान की UPI ढ्ढष्ठ की वैधता त्तक्र कोड स्कैन करके या ID डालकर जांच सकते हैं.

क्कढ्ढ के ज़रिए मार्केट लेनदेन की सीमा ?5 लाख प्रतिदिन तय की गई है.निवेशक केवल सेबी मान्यता प्राप्त संस्थाओं को ही भुगतान कर पाएंगे.

पूरी प्रक्रिया तेज़, पारदर्शी और सुरक्षित होगी.

सेबी का यह नया Valid सिस्टम निवेशकों को फर्जीवाड़ों से बचाने और शेयर बाजार में सुरक्षित लेन-देन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा और क्रांतिकारी कदम है. इसके लागू होने से निवेशकों के मन में विश्वास और पारदर्शिता की भावना और मजबूत होगी.

6 साल के निचले स्तर पर आ सकती है खुदरा महंगाई

नई दिल्ली। भारत की खुदरा महंगाई दर मई महीने में घटकर 3.0त्न तक पहुंच सकती है, जो अप्रैल के 3.2त्न से कम है। अगर यह अनुमान सही साबित हुआ तो खुदरा महंगाई पिछले छह वर्षों के सबसे निचले पर पहुंच जाएगी। मिंट के सर्वे में यह अनुमान जताया गया है। खुदरा मुद्रास्फीति के आधिकारिक आंकड़े गुरुवार को जारी होंगे। भारत में खुदरा महंगाई दर अप्रैल 2025 में घटकर 3.16त्न रह गई, जो जुलाई 2019 के बाद का सबसे निचला स्तर है। मार्च में यह 3.34त्न थी। यह आंकड़ा आरबीआई के 4त्न (±w%) लक्ष्य से भी कम है और लगातार तीसरे महीने ऐसा हुआ है।

खाने-पीने की चीजें सस्ती हुईं- सब्जियों, फलों, दालों और प्रोटीन वाले सामान की कीमतें घटीं। खाद्य महंगाई दर अप्रैल में 1.78त्न रही, जो पिछले साल इसी महीने 8.7त्न थी। गर्मी के बावजूद रबी की फसल अच्छी हुई। इस साल मानसून भी बेहतर रहने का अनुमान है।मिंट के सर्वे में शामिल 15 अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, चूंकि खाद्य पदार्थ महंगाई की गणना में 40त्न हिस्सा रखते हैं, इसलिए इनकी कीमतों में बदलाव का असर सीधे महंगाई दर पर पड़ता है। वहीं, सर्वे में यह भी कहा गया है कि समग्र महंगाई दर के लगातार चौथे महीने 4त्न से नीचे रहने के बावजूद कोर मुद्रास्फीति (जो खाद्य, ईंधन और बिजली को छोड़कर गणना की जाती है) अप्रैल के 4.13त्न से थोड़ी बढ़ सकती है। फिर भी, अर्थशास्त्री इसे महंगाई के लिए बड़ा खतरा नहीं मानते।

आगे ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश कम

महंगाई में तेज गिरावट को देखते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले सप्ताह रेपो रेट में .50 प्रतिशत की कटौती की थी, जबकि विशेषज्ञों को केवल .25 फीसदी की कटौती की उम्मीद थी। आरबीआई ने यह भी संकेत दिया है कि साल के अंत तक महंगाई चार फीसदी से नीचे रहेगी लेकिन ब्याज दरों में और कटौती की गुंजाइश कम है। मौद्रिक नीति समिति ने कहा है कि फरवरी 2025 से लगातार रेपो दर में एक फीसदी की कटौती के बाद और राहत की गुंजाइश सीमित है।

भविष्य का अनुमान

आरबीआई को उम्मीद है कि 2025-26 में महंगाई दर औसतन 4त्न रहेगी, जो तिमाही के हिसाब से कुछ इस तरह रह सकती है...

प्रैल-जून (पहली तिमाही): 3.6%

जुलाई-सितंबर (दूसरी तिमाही): 3.9%

अक्टूबर-दिसंबर (तीसरी तिमाही): 3.8%

जनवरी-मार्च (चौथी तिमाही): 4.4%

आरबीआई सतर्क

आरबीआई का कहना है कि भविष्य में सामान्य से बेहतर मानसून और इसके जल्दी आने की संभावना खरीफ फसल की संभावनाओं के लिए अच्छे संकेत है। रबी फसल के मौसम में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन और प्रमुख दालों के उच्च उत्पादन से प्रमुख खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। अनुकूल पूर्वानुमान के बावजूद, वह मौसम संबंधी अनिश्चितताओं और वैश्विक स्तर पर जिंस की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ शुल्क संबंधी चिंताओं को लेकर सतर्क रहेगा।

अब हर किसी को मिल सकेगा तत्काल टिकट, एजेंटों की बढ़ेगी मुश्किल, आम जनता के लिए पहला 30 मिनट

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने यात्रियों को राहत देते हुए तत्काल टिकट बुकिंग सिस्टम में बड़ा बदलाव किया है. अब तत्काल टिकट बुकिंग शुरू होते ही पहले 30 मिनट केवल आम यात्रियों के लिए आरक्षित रहेंगे. इस दौरान किसी भी अधिकृत एजेंट या थर्ड पार्टी प्लेटफॉर्म को टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी. यह फैसला रेलवे ने टिकट बुकिंग में पारदर्शिता बढ़ाने और एजेंटों की मनमानी रोकने के उद्देश्य से लिया है.

अब तक देखा गया है कि तत्काल टिकट बुकिंग खुलते ही कुछ ही मिनटों में सारे टिकट बुक हो जाते थे, जिनमें बड़ी संख्या में टिकट एजेंटों के द्वारा ब्लॉक कर लिए जाते थे. इससे आम यात्री वंचित रह जाते थे और उन्हें अधिक पैसे देकर एजेंटों से टिकट खरीदने पड़ते थे. रेलवे के इस नए नियम से अब आम लोगों को प्राथमिकता मिलेगी और उन्हें टिकट बुक करने का उचित मौका मिलेगा.

कैसे काम करेगी रेलवे की नई व्यवस्था

रेलवे ने बताया कि इस नई व्यवस्था के तहत सुबह 10 बजे एसी कोटा और 11 बजे स्लीपर कोटा की तत्काल बुकिंग जब शुरू होती है, तो शुरुआती 30 मिनट केवल आम यात्रियों के लिए होंगे. इसके बाद ही एजेंट या बुकिंग सर्विस प्रोवाइडर टिकट बुक कर सकेंगे.

AI चैटबॉट रखेगा टिकट बुकिंग पर नजर

इसके अलावा रेलवे ने डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया है. अब टिकट बुकिंग प्रक्रिया पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित निगरानी रखी जाएगी, जो किसी भी संदिग्ध गतिविधि या बॉट के जरिए बुकिंग को तुरंत पहचान लेगा और उस पर कार्रवाई करेगा.यह कदम रेलवे की डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और ग्राहक केंद्रित नीतियों का हिस्सा है. इससे न केवल बुकिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी, बल्कि एजेंटों के माध्यम से टिकट ब्लैकिंग और अवैध वसूली पर भी अंकुश लगेगा. रेलवे के इस निर्णय का स्वागत यात्रियों द्वारा किया जा रहा है. यह आम जनता को टिकट बुकिंग में बराबरी का मौका देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास माना जा रहा है. उम्मीद की जा रही है कि इससे यात्रियों की असुविधा कम होगी और एजेंटों की पकड़ ढीली पड़ेगी.

सस्ता हो गया होम और कार लोन, इन तीन बैंकों ने दिया बड़ा तोहफा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के पिछले सप्?ताह रेपो रेट में 0.5 फीसदी घटाकर 5.5 फीसदी कर दिया था. साथ ही नकद आरक्षित अनुपात (CRR) में भी 1 प्रतिशत की कटौती आरबीआई ने कर दी थी. रेपो रेट में कटौती के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने भी अब लोन पर ब्याज दरों में कमी करना शुरू कर दिया है. तीन सरकारी बैंकों, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक (IOB) ने लोन की ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत तक की कटौती की घोषणा कर दी है. विशेषज्ञों के अनुसार, बैंकों के इस कदम से होम, ऑटो, व्यक्तिगत और एमएसएमई लोन लेने वालों को राहत मिलेगी, जिससे आम लोगों की जेब पर बोझ कुछ कम हो सकेगा.

इससे पहले बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) ने भी अपनी ऋलक्र में 0.50 प्रतिशत की कटौती की थी. वहीं, प्राइवेट बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपनी कोष की सीमांत लागत आधारित उधार दर (MCLR) में विभिन्न अवधियों के लिए 0.10 प्रतिशत तक की कटौती की है. इससे उन ग्राहकों को फायदा मिलेगा जिनके ऋण MCLR से जुड़े हैं.यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अपने बाह्य मानक आधारित ब्याज दर (EBLR) और रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (RLLR) में 0.50 प्रतिशत की कटौती की है. बैंक ने बताया कि यह फैसला आरबीआई की रेपो दर में कटौती के अनुपालन में लिया गया है. इससे बैंक से जुड़े उपभोक्ताओं को अब सस्ती दरों पर कर्ज मिल सकेगा.

क्या है ये लिक्विड गोल्ड यूएई, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से क्यों बढ़ गया है इसका इपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में वर्षों से सोने की तस्करी की घटनाएं सामने आती रही हैं, जिसमें सोने को शरीर या सामान में छिपाकर सीमा शुल्क से बचा कर लाया जाता था. लेकिन अब चतुर आयातकों ने बिना कस्टम ड्यूटी चुकाए सोना भारत लाने का तरीका खोज लिया है. ये लोग 'लिक्विड गोल्ड ' यानी सोने के रासायनिक यौगिकों के रूप में बिना कोई कस्टम ड्यूटी दिए ही बड़ी मात्रा में सोना देश में ला रहे हैं. 'लिक्विड गोल्?ड ' में सोने को अन्य रासायनिक तत्वों के साथ मिलाकर यौगिक बनाया जाता है, जिनका इस्तेमाल मुख्यत उद्योगों में होता है. इसे भारत की उन साझेदार देशों जैसे संयुक्त अरब अमीरात, जापान और ऑस्ट्रेलिया से मंगाया जाता है, जिनसे भारत की मुक्त व्यापार संधि है. इन संधियों के तहत ऐसे यौगिकों पर कोई आयात शुल्क नहीं लगता, जबकि सामान्य सोने पर 6त्न तक का शुल्क चुकाना पड़ता है.

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से मार्च 2025 की तिमाही में तरल सोने के आयात में जबरदस्त उछाल आया है. वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय (DGCIS) के अनुसार, इस दौरान देश में 69,879 किलोग्राम लिक्विड गोल्ड आयात हुआ, जो पिछले साल की तुलना में 9.25 गुना और पिछली तिमाही की तुलना में 2.84 गुना अधिक है. इसका कुल मूल्य लगभग 1.29 अरब डॉलर आंका गया है. FY21 में लिक्विड गोल्ड का आयात केवल 2,143 किलोग्राम था, जो FY25 में बढ़कर 1,27,886 किलोग्राम तक पहुंच गया है. बजट 2025 में किए गए नीतिगत बदलावों के बाद इसमें और तेजी देखी गई है.टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, लिक्विड गोल्ड के मुकाबले पारंपरिक रूप से आयात किए गए सोने की मात्रा में 51.2त्न की गिरावट दर्ज की गई है और यह 9.5 अरब डॉलर पर सिमट गया है. इससे स्पष्ट है कि तरल सोने के जरिए आयातकों ने कस्टम ड्यूटी से बचने का आसान रास्ता अपनाया है, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हो रहा है.

अनिल अंबानी की बहुत बड़ी जीत, MMRDA देगा 1,169 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। अनिल अंबानी को लेकर एक बड़ी राहतभरी खबर आ रही है. मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी को एक बड़ी कानूनी जीत मिली है. बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट लिमिटेड (MMOPL) के पक्ष में फैसला सुनाया है, जो रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की एक सब्सिडियरी कंपनी है. कोर्ट ने मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) को आदेश दिया है कि वह MMOPL को ?1,169 करोड़ का भुगतान करे.

क्या है मामला?

यह विवाद मुंबई मेट्रो लाइन 1 (वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर) को लेकर था, जिसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल पर बनाया गया था. इस प्रोजेक्ट को MMOPL द्वारा विकसित और संचालित किया गया था, जिसमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की बड़ी हिस्सेदारी है. स्रूक्रष्ठ और रिलायंस ग्रुप के बीच परियोजना की लागत और भुगतान को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था.MMOPL ने दावा किया था कि

उसने परियोजना में काफी अधिक निवेश किया, लेकिन अपेक्षित भुगतान नहीं किया गया. इसके जवाब में कंपनी ने अदालत का रुख किया.

कोर्ट का आदेश

बॉम्बे हाईकोर्ट ने MMOPL के दावों को सही ठहराते हुए MMRDA को ?1,169 करोड़ का भुगतान करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह भुगतान कानूनी और संविदात्मक शर्तों के अनुसार जायज है.

अनिल अंबानी के लिए बड़ी जीत

यह आदेश अनिल अंबानी की रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है, जो पिछले कुछ वर्षों से आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही है. इस फैसले से कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूती मिलने की उम्मीद है. एमएमओपीएल रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और एमएमआरडीए के बीच एक जॉइंट वेंचर है. यह वर्सोवा-अंधेरी-घाटकोपर कॉरिडोर पर मुंबई की पहली मेट्रो लाइन का संचालन करता है.

रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के पास 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि बाकी स्वामित्व एमएमआरडीए के पास है.अनिल अंबानी का कमबैक

अनिल अंबानी की कारोबारी गिरावट काफी फ़िल्मी रही है.

अब AT से निकाल सकेंगे PF का पैसा, जून में शुरू होगी सुविधा, जानिए पूरा प्रोसेस

नई दिल्ली। नौकरीपेशा लोगों की जिंदगी में सैलरी का रोल बड़ा होता है. इसी से घर का खर्च चलता है, बच्चों की फीस भरी जाती है, और भविष्य के लिए कुछ बचत भी होती है. बात जब भविष्य की बचत की आती है, तो सरकार ने इसके लिए एक सॉलिड सिस्टम बनाया है– कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, यानी EPFO. ये वो संस्था है जो नौकरी करने वालों के लिए PF अकाउंट खोलती है, जिसमें हर महीने उनकी सैलरी का एक हिस्सा जमा होता है. अब यही EPFO अपने करोड़ों मेंबर्स के लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आ रहा है. जल्द ही आप अपने PF के पैसे को ATM से निकाल पाएंगे, वो भी बिना किसी झंझट के.EPFO इस महीने, यानी जून 2025 में, अपना नया डिजिटल प्लेटफॉर्म EPFO 3.0 लॉन्च करने जा रहा है. इस नए सिस्टम के तहत PF खाताधारकों को

कई धांसू सुविधाएं मिलेंगी, जिनमें सबसे बड़ी है ATM से पैसे निकालने की सुविधा.

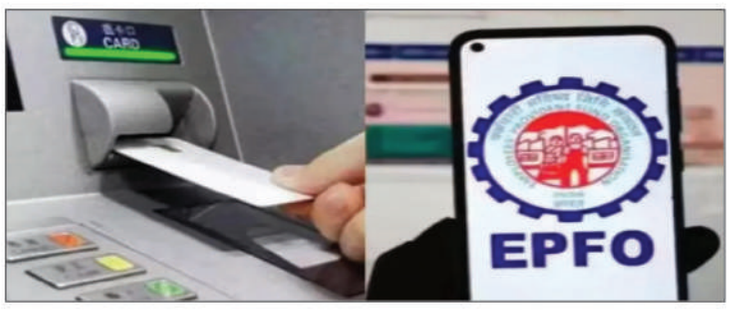

EPFO 3.0: क्या है ये नया सिस्टम?

EPFO 3.0 कर्मचारी भविष्य निधि संगठन का एक अपग्रेडेड वर्जन है, जो पूरी तरह डिजिटल और यूजर-फ्रेंडली होने वाला है. अभी तक PF का पैसा निकालने के लिए आपको ढेर सारी कागजी कार्रवाई करनी पड़ती थी. फॉर्म भरना, दस्तावेज जमा करना, और फिर हफ्तों तक इंतजार करना कि पैसा अकाउंट में आएगा या नहीं. लेकिन EPFO 3.0 के साथ ये सारी टेंशन खत्म होने वाली है.इस नए प्लेटफॉर्म का मकसद है कि PF से जुड़ी हर प्रक्रिया को इतना आसान कर दिया जाए कि आप घर बैठे, या फिर,ञ्जरू पर जाकर, अपने पैसे निकाल सकें. ये सिस्टम एक हाई-टेक ढ्ढञ्ज प्लेटफॉर्म पर बेस्ड है, जो न सिर्फ तेज है, बल्कि ट्रांसपेरेंट भी है. यानी, आपको हर स्टेप की जानकारी मिलेगी, और कोई भी गड़बड़ी होने की गुंजाइश कम होगी.

केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने इस साल की शुरुआत में कहा था कि EPFO 3.0 मई या जून 2025 में लॉन्च होगा और अब, जून आ चुका है, तो खबरें हैं कि ये सुविधा किसी भी दिन शुरू हो सकती है. इसका सबसे बड़ा फायदा उन 9 करोड़ से ज्यादा EPF मेंबर्स को मिलेगा, जो अपने रिटायरमेंट फंड को आसानी से एक्सेस करना चाहते हैं.

ATM से PF निकालने का प्रोसेस

अब सवाल ये है कि आखिर आप अपने PF का पैस से कैसे निकाल पाएंगे? क्या इसके लिए कोई स्पेशल कार्ड मिलेगा? या फिर कोई और प्रोसेस फॉलो करना होगा? चलिए, इसे आसान भाषा में समझते हैं।

1- UAN को करना होगा बैंक से लिंक: ATM से पीएफ निकालने के लिए आपका यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN) एक्टिवेटेड होना जरूरी है. इसके. साथ ही आपके बैंक अकाउंट और आधार का लिंक होना बेहद जरूरी है. इसके लिए आखिरी तारीख 30 जून तय की गई है2- ATM पर जाएं- सब कुछ लिंक होने के बाद आपको किसी भी,ञ्जरूपर जाना होगा। वहां इस कार्ड को डालकर आप अपने PF अकाउंट से पैसे निकाल सकते हैं.

3- निकासी की लिमिट- शुरुआत में आप अपने PF अकाउंट में जमा कुल राशि का 50त्न तक निकाल सकेंगे। यानी, अगर आपके अकाउंट में 10 लाख रुपये हैं, तो आप 5 लाख तक निकाल सकते हैं.

ईरान या इजराइल किससे भारत लेता और देता है सबसे ज्यादा सामान हर साल होता है अरबों का कारोबार

नई दिल्ली। ईरान दुनिया का चौथा सबसे बड़ा तेल उत्पादक और मिडिल ईस्ट में नंबर एक उत्पादक है. Iran में बीते साल 2023 में 2023 में 2.4 मिलियन बैरल क्रूड ऑयल का हर दिन प्रोडक्शन हुआ था. तेल भंडार का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अपने उत्पादन का लगभग आधा कच्चा तेल ईरान दूसरे देशों को बेचता है और सबसे बड़ा खरीदार चीन (China) है. ईरान में तेल की 10 बड़ी रिफाइनरी हैं, जिनमें से सिर्फ तीन से प्रति दिन 3,70,000 बैरल तेल का उत्पादन होता है.न केवल कच्चा तेल, बल्कि भारत ईरान से कई अन्य सामान भी आयात करता है और जंग के हालात में इन जरूरी सामानों के बिजनेस को लेकर भी चिंता बढ़ गई है. बता दें कि ईरान से कच्चे तेल के अलावा सूखे मेवे, केमिकल और कांच के बर्तन भारत आते हैं. वहीं भारत की ओर से ईरान पहुंचने वाले प्रमुख सामानों की बात करें, तो बासमती चावल का ईरान बड़ा आयातक है.न केवल कच्चा तेल, बल्कि भारत ईरान से कई अन्य सामान भी आयात करता है और जंग के हालात में इन जरूरी सामानों के बिजनेस को लेकर भी चिंता बढ़ गई है. बता दें कि ईरान से कच्चे तेल के अलावा सूखे मेवे, केमिकल और कांच के बर्तन भारत आते हैं. वहीं भारत की ओर से ईरान पहुंचने वाले प्रमुख सामानों की बात करें, तो बासमती चावल का ईरान बड़ा आयातक है.ईरान वित्त वर्ष 2014-15 से भारतीय बासमती चावल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक देश रहा है और वित्त वर्ष 2022-23 में 998,879 मीट्रिक टन भारतीय चावल खरीदा था. बासमती चावल के अलावा भारत ईरान को चाय, कॉफी और चीनी का भी निर्यात करता है.आंकड़े देखें तो

भारत हर साल ईरान को 4 करोड़ किलो चाय का निर्यात करता है. इसके अलावा कुल चावल निर्यात का 19त्न के आस-पास ईरान को निर्यात होता है, जो करीब 60 करोड़ डॉलर का होता है. हालिया तनाव से देश के चावल और चाय निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका बढ़ गई है.आंकड़े देखें तो भारत हर साल ईरान को 4 करोड़ किलो चाय का निर्यात करता है. इसके अलावा कुल चावल निर्यात का 19त्न के आस-पास ईरान को निर्यात होता है, जो करीब 60 करोड़ डॉलर का होता है.

हालिया तनाव से देश के चावल और चाय निर्यातकों की मुश्किलें बढ़ने की आशंका बढ़ गई है.भारत का व्यापारिक भागीदार सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि इजरायल भी है. साल 2023 में भारत का इजरायल के साथ 89000 करोड़ रुपये का कारोबार रहा. भारत इजराइल को तराशे हुए हीरे, ज्वेलरी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सामान सप्लाई करता है. वहीं इजरायल भारत को बड़ी मात्रा में सैन्य हथियार निर्यात करता है.भारत का व्यापारिक भागीदार सिर्फ ईरान ही नहीं बल्कि इजरायल भी है. साल 2023 में भारत का इजरायल के साथ 89000 करोड़ रुपये का कारोबार रहा. भारत इजराइल को तराशे हुए हीरे, ज्वेलरी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सामान सप्लाई करता है. वहीं इजरायल भारत को बड़ी मात्रा में सैन्य हथियार निर्यात करता है.

टाटा के इस शेयर पर एनालिस्ट चिंतित, दे दी चेतावनी, शेयर बेचने की होड़

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयर में आज गुरुवार को गिरावट देखी गई। कंपनी के शेयर आज 1.5त्न तक की गिरावट के साथ 726.50 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए। शेयरों में इस गिरावट के पीछे कुछ निगेटिव खबर है। दरअसल, ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने पैसेंजर और कमर्शियल वाहन निर्माताओं पर अपने लेटेस्ट नोट में चेतावनी दी है कि टाटा मोटर्स लिमिटेड को चार निगेटिव जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है, जिसमें स्थानीय मुद्रा में मजबूती से लेकर अधिक छूट तक शामिल है।क्या है डिटेलएचएसबीसी ने टाटा मोटर्स पर ?770 के टारगेट प्राइस के साथ 'होल्ड' करने की सिफारिश की है, जो सोमवार के समापन स्तर से 5त्न की संभावित बढ़त दिखाता है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले ब्रिटिश पाउंड में तेजी। स्टर्लिंग में हर 1त्न की तेजी के लिए,

जगुआर लैंड रोवर (JLR) के मार्जिन में 20 आधार अंकों की गिरावट आ सकती है। नए मॉडलों में अप्रत्याशित डिजाइन दोष ब्रांड की धारणा और बिक्री को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अमेरिका, मेनलैंड चीन और यूरोप जैसे प्रमुख बाजारों में उम्मीद से अधिक प्रोत्साहन भी छ्वरुक्र के मार्जिन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। टाटा मोटर्स की यूके इकाई, जगुआर लैंड रोवर, चालू वर्ष के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा करने के लिए 16 जून को अपना निवेशक दिवस आयोजित करेगी। अंत में, रेंज रोवर के भीतर आगामी बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (BEV) की कम स्वीकृति, विशेष रूप से जगुआर ब्रांडों में, वॉल्यूम को नुकसान पहुंचा सकती है।

एनालिस्ट की राय

टाटा मोटर्स पर कवरेज करने वाले 35 विश्लेषकों में से 18 ने खरीदें रेटिंग दी है, 11 ने ÷होल्ड÷ कहा है, जबकि छह ने बेचें की सिफारिश की है। टाटा मोटर्स के शेयर वर्तमान में 1त्न कम होकर ?728.65 पर कारोबार कर रहे हैं। स्टॉक एक महीने और साल-दर-साल की अवधि में स्थिर बना हुआ है।

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं तो क्यों उछलने लगे इन ऑयल कंपनियों के शेयर

नई दिल्ली। आज गिरावट भरे शेयर मार्केट में ONGC और Oil India के शेयरों में 4त्न तक की तेजी आई। ऐसा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों की वजह से हुआ। जब कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं, तो ओएनजीसी और ऑयल इंडिया जैसी कंपनियों को तेल बेचकर होने वाली कमाई बेहतर होने की उम्मीद बढ़ जाती है। ONGC का शेयर आज ?251.05 पर खुला और सुबह में ही ?255.15 के उच्चस्तर तक पहुंच गया।

क्यों बढ़े कच्चे तेल के दाम?

हाल ही में मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और सुरक्षा खतरों के कारण कच्चे तेल के दाम उछले हैं। अप्रैल में ब्रेंट क्रूड तेल की कीमत लगभग 61 डॉलर प्रति बैरल थी, जो अब बढ़कर 69 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं।जियोजीत के एक्सपर्ट डॉ. वी.के. विजयकुमार ने कहा,÷तेल की कीमतों में यह उछाल मध्य पूर्व में खतरों की वजह से आया है। ONGC और Oil India के शेयरों पर इसका सकारात्मक असर दिख सकता है।÷

कंपनियों के लिए क्यों अच्छी खबर है?पिछले कुछ समय से कच्चे तेल के दाम गिर रहे थे, जिससे ONGC और ह्लद्बद्य ढ्ढठ्ठस्रद्बड्ड की कमाई पर चिंता बनी हुई थी। मार्च 2025 तक के तिमाही नतीजों में विंडफॉल टैक्स लगने से पहले ONGC की प्रति बैरल कमाई में 9त्न की गिरावट आई थी। ऐसे में तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया है।

पिछले महीने क्या हाल रहा?

पिछले तीन महीनों (मई 23 तक) में ह्रहृत्रष्ट का शेयर प्राइस सपाट चल रहा था और यह निफ्टी से पिछड़ रहा था (जो 8त्न चढ़ा था)। एलारा सिक्योरिटीज़ के मुताबिक, तेल की गिरती कीमतों ने अगले तीन साल में तेल-गैस उत्पादन बढ़ने की संभावना को कमजोर कर दिया था।

विशेषज्ञ मानते हैं कि ONGC और Oil India की कमाई तभी मजबूत होगी, जब कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर टिकी रहेंगी।

(डिस्क्लेमर- एक्सपर्ट्स की सिफारिशें, सुझाव, विचार और राय उनके अपने हैं, लाइव हिन्दुस्तान के नहीं। यहां सिर्फ शेयर के परफॉर्मेंस की जानकारी दी गई है, यह निवेश की सलाह नहीं है। शेयर बाजार में निवेश जोखिमों के अधीन है और निवेश से पहले अपने एडवाइजर से परामर्श कर लें।)

अमेरिकी मेडिकल एसोसिएशन में जमाई धाक, कौन हैं भारतीय मूल के डॉक्टर बॉबी?

दुनिया. भारतीय मूल के डॉक्टर बॉबी मुक्कामाला ने अमेरिका में भारतीय समुदाय का नाम रोशन किया है. उन्हें बुधवार 11 जून को अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के 180वें अध्यक्ष चुना गया है. जिसके बाद वह 178 साल के इतिहास में संगठन का नेतृत्व करने वाले भारतीय मूल के पहले व्यक्ति बन गए हैं.

चुनाव जीतने के बाद बॉबी मुक्कामाला ने कहा, ÷इस खुशी और पल को वह बता नहीं सकते हैं. यह दिल को छू लेने वाला है, यह इंस्पायरिंग है.÷ अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के 180वें अध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति 8 सेमी टेम्पोरल लोब ट्यूमर की सर्जरी के कुछ महीने बाद हुई है. मुक्कमला के लिए ट्यूमर का 90 फीसद हिस्सा निकालना सबसे बड़ा ऑपरेशन था. कैंसर से उनकी लड़ाई ने उनको अमेरिका में पहचान दिलाई है और इस पद के लिए दावेदारी मजबूत की है. वह अपने मंच और अनुभव का इस्तेमाल कर एक बेहतर और अच्छे अमेरिकी हेल्थ की वकालत करेंगे.

कौन है मुक्कमला?

बॉबी मुक्कामाला मिशिगन में स्थित एक बोर्ड-प्रमाणित ओटोलैरिंगोलॉजिस्ट और हेड-एंड-नेक सर्जन हैं. 1971 में भारतीय अप्रवासी डॉक्टर दंपत्ति के घर जन्मे मुक्कामाला ने मिशिगन यूनिवर्सिटी के मेडिकल स्कूल से ग्रेजुएशन की और शिकागो में लोयोला विश्वविद्यालय चिकित्सा केंद्र में अपना क्क्ल पूरा किया. वह 2000 में फ्लिंट लौट आए, जहां वह अपनी पत्नी नीता कुलकर्णी एमडी के साथ निजी प्रैक्टिस करने लगे. उनकी पत्नी भी स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं.

मुक्कामाला एक प्रमुख एएमए नेता रहे हैं, नवंबर 2024 में उन्हें ग्रेड 2 एस्ट्रोसाइटोमा, एक धीमी गति से बढ़ने वाले मस्तिष्क ट्यूमर होने का पता चला, जिसे दिसंबर 2024 में सर्जरी कर निकाल दिया गया. एक मरीज के रूप में उनके अनुभव ने स्वास्थ्य समानता और सुलभ देखभाल के लिए उनकी वकालत को बढ़ावा दिया है, जो कि अफोर्डेबल केयर एक्ट में उन जैसे सुरक्षा पर जोर देता है.

अपने समुदाय के लिए करते रहे हैं काम

बॉबी मुक्कामाला अपने समुदाय में बहुत सक्रिय हैं. 2012 में, उन्होंने स्वास्थ्य व्यवसायों का अध्ययन करने वाले छात्रों की मदद करने के लिए मिशिगन-फ्लिंट विश्वविद्यालय में छात्रवृत्ति की शुरुआत की थी. उनके जुड़वां बेटे हैं जिनका नाम देवेन और निखिल है. अपने खाली समय में बच्चों को समय देते हैं. उन्हें अपने समुदाय की मदद करना पसंद है.

ये सोशल मीडिया है, हम कंट्रोल नहीं कर सकते... मोहम्मद यूनुस ने बताया शेख हसीना को लेकर पीएम मोदी से क्या हुई थी बात

दुनिया. बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से निराश हैं. उनकी अंतरिम सरकार के लिए भारत से दिए जा रहे शेख हसीना के ऑनलाइन भाषण खतरा बने हुए हैं. क्योंकि शेख हसीना भारत से ही यूनुस सरकार की नाकामियां दुनिया के सामने ला रहे हैं. जिसको लेकर मोहम्मद यूनुस ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की.

यूनुस का कहना है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के ऑनलाइन भाषणों पर अंकुश लगाने के ढाका के अनुरोध को दरकिनार करने के बाद पूरे बांग्लादेश में गुस्सा भड़क रहा है.

हाल ही में लंदन के चैथम हाउस में एक चर्चा के दौरान बोलते हुए यूनुस ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ हुई बातचीत को याद किया. यूनुस ने भारत से हसीना के संबोधनों का जिक्र करते हुए कहा, ÷जब मुझे प्रधानमंत्री मोदी से बात करने का मौका मिला, तो मैंने बस इतना कहा कि आप उनकी मेजबानी करना चाहते हैं, मैं आपको उस नीति को छोड़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकताज लेकिन कृपया हमें यह सुनिश्चित करने में मदद करें कि वह बांग्लादेशी लोगों से उस तरह बात न करें, जैसा वह कर रही हैं.

भारत ने ऑनलाइन भाषण रोकने से किया इनकार!

यूनुस ने निराश जताते हुए कहा ÷शेख हसीना भारत में बैठकर पहले ऐलान करती हैं कि वह इस दिन, इस समय, इस घंटे बोलेंगी, और पूरा बांग्लादेश गुस्सा भड़क जाता है. वह इस पूरे क्रोध को अपने अंदर क्यों रख रही हैं? यूनुस ने बताया कि उन्होंने पीएम मोदी से हस्तक्षेप करने और हसीना को आगे कोई बयान देने से रोकने के लिए कहा था, जिस पर भारतीय प्रधानमंत्री ने कथित तौर पर जवाब दिया, ÷यह सोशल मीडिया है, आप इसे नियंत्रित नहीं कर सकते. प्रतिक्रिया पर प्रतिक्रिया देते हुए यूनुस ने कहा, आप क्या कह सकते हैं? यह एक विस्फोटक स्थिति है, आप यह कहकर नहीं बच सकते कि यह सोशल मीडिया है.

क्या शेख हसीना को लौटाएगा भारत?

चैथम हाउस में जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत वही कर रहा है जिसकी बांग्लादेश को उम्मीद थी, तो यूनुस ने बिना किसी हिचकिचाहट के जवाब दिया, 'नहीं.' उन्होंने बकाया कि बांग्लादेश ने भारत सरकार को पत्र लिखकर हसीना के प्रत्यर्पण का अनुरोध किया है और कानूनी कार्यवाही पहले से ही चल रही है. यूनुस ने बताया कि, ÷न्यायाधिकरण ने सुनवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है. यूनुस सरकार हसीना को उनके द्वारा किए गए अपराधों के लिए नोटिस भेजा है. लेकिन इसका अभी तक जवाब नहीं दिया गया है. यूनुस ने कहा कि हम एक कानूनी प्रक्रिया का पालन कर रहे हैं. हम चाहते हैं कि यह कानूनी और उचित हो. हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हम गुस्से में आकर कुछ न करें.

रवींद्रनाथ टैगोर के आवास पर बांग्लादेशियों ने किया हमला, मोहम्मद यूनुस के राज में नहीं रुक रही हिंदुओं के साथ ज्यादती

बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेजा रविंद्रनाथ के पैतृक आवास पर हमला हो गया है. भीड़ ने उनके पैतृक आवास में तोड़फोड़ मचाई. घटना की अब जांच की जा रही है.

बांग्लादेश में हिंदुओं की हालत किसी से छिपी हुई नहीं है. तख्तापलट होने और मोहम्मद यूनुस की सरकार बनने के बाद से हिंदुओं और उनके प्रतिष्ठानों पर जमकर हमले हो रहे हैं. लेकिन हद तो अब पार हो गई है. बांग्लादेशियों ने अब नोबेल पुरस्कार विजेता रविंद्रनाथ टैगोर के पैतृक निवास पर भीड़ ने हमला कर दिया. उन्होंने वहां तोड़फोड़ मचाई. बांग्लादेश के सिराजगंज में गुरुदेव का पैतृक घर है. बता दें, रविंद्रनाथ टैगोर को प्यार से लोग गुरुदेव कहते हैं. अब मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है.

पार्किंग को लेकर बढ़ा विवाद

बांग्लादेशी न्यूज के मुताबिक, एक आदमी आठ जून को अपने परिवार के साथ सिराजगंज जिले के कचहरीबाड़ी गया था. कचहरीबाड़ी को रविंद्र कचहरीबाड़ी और रविंद्र स्मारक संग्रहालय के रूप में भी जाना जाता है. वहां बाइक पार्किंग की फीस को लेकर प्रवेश द्वार पर एक कर्मचारी के साथ उसका विवाद हो गया. संग्रहालय वालों ने उन्हें कथित तौर पर एक कमरे में बंद कर दिया और उसके साथ मारपीट की. इस घटना से आसपास के लोगों में रोष फैल गया. उन्होंने मानव श्रृंखला बनाकर इसका विरोध किया. बाद में भीड़ ने स्मारक पर हमला कर दिया और संस्थान के निदेशक की पिटाई कर दी.

Bangladesh Hindu: बांग्लादेश के कट्टरपंथियों ने एक और हिंदू नेता का किया मर्डर, बेरहमी से पीट-पीटकर ली जान

अब स्मारक में लोगों की एंट्री पर रोक

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटना के बाद पुरातत्व विभाग ने हमले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन किया. स्मारक के संरक्षक मोहम्मद हबीबुर रहमान ने बताया कि प्राधिकरण ने घटना की वजह से लोगों की एंट्री को फिलहाल रोक दिया है. जांच समिति को अगले पांच दिनों के अंदर-अंदर जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है. शहजादपुर स्थित कचहरीबाड़ी टैगोर परिवार का पैतृक घर और राजस्व कार्यालय था. गुरुदेव ने इसी हवेली में रहते हुए अपनी कई सारी साहित्यिक कृतियां रची थीं.

देश भर में हो रहा है विरोध प्रदर्शन

बांग्लादेश में इस वक्त अंतरिम सरकार को भारी विरोध सहना पड़ रहा है. देश भर में यूनुस के खिलाफ जमकर प्रदर्शन हो रहे हैं. बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी सहित देश की कई राजनीतिक पार्टियां और छात्र संगठन देश भर में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराने को लेकर जगह-जगह पदर्शन हो रहे हैं.

अब स्मारक में लोगों की एंट्री पर रोक

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटना के बाद पुरातत्व विभाग ने हमले की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन किया.

स्मारक के संरक्षक मोहम्मद हबीबुर रहमान ने बताया कि प्राधिकरण ने घटना की वजह से लोगों की एंट्री को फिलहाल रोक दिया है. जांच समिति को अगले पांच दिनों के अंदर-अंदर जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा है. शहजादपुर स्थित कचहरीबाड़ी टैगोर परिवार का पैतृक घर और राजस्व कार्यालय था. गुरुदेव ने इसी हवेली में रहते हुए अपनी कई सारी साहित्यिक कृतियां रची थीं.

तूफान वुटिप क्या है, जो 3 दिन तक चीन में मचाएगा तांडव

दुनिया. दक्षिण चीन सागर में बना एक ट्रॉपिकल डिप्रेशन बुधवार सुबह पहला बड़ा तूफान बन गया है, जिसका नाम है वुटिप. ये तूफान अगले तीन दिनों तक दक्षिण चीन के कई इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाओं के साथ तबाही मचा सकता है.

चीन की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (NMC) के मुताबिक, वुटिप शुक्रवार को हाइनान और ग्वांगडोंग के तटीय इलाकों से टकरा सकता है. ये इस साल का पहला तूफान होगा जो चीन की जमीन से टकराएगा.

बाढ़, भूस्खलन का खतरा बढ़ा

हाइनान, ग्वांगडोंग और ग्वांग्शी जैसे दक्षिणी इलाकों में बुधवार से शनिवार तक भारी बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है. हाइनान के मध्य और पूर्वी हिस्सों में 100 से 150 मिमी तक बारिश हो सकती है. इसके चलते इन क्षेत्रों में बाढ़, भूस्खलन और नदियों के उफान का खतरा बढ़ गया है.

सरकारी तैयारियां जोरों पर

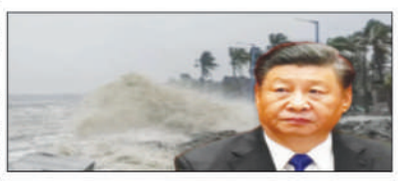

चीन की आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने लेवल IV से बढ़ाकर लेवल III अलर्ट जारी कर दिया है. हाइनान और ग्वांगडोंग में बाढ़ और तूफान से निपटने के लिए टीमें भेज दी गई हैं. कई इलाकों में नौका सेवाएं बंद कर दी गई हैं, सैंकड़ों कर्मियों को समुद्री प्लेटफॉर्म्स से हटाकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है.

क्यों अलग है वुटिप?

आंकड़ों के अनुसार, इस साल का पहला तूफान औसत से दो महीने देर से बना है. आमतौर पर पहला तूफान मार्च में बनता है, लेकिन इस बार जून में बना है. हालांकि ये 13 जून को जमीन से टकराएगा, जो औसतन 27 जून के मुकाबले जल्दी है. विशेषज्ञों के मुताबिक, ये देर से आना खेती और मछली पकड़ने के मौसम के लिए बेहतर है, लेकिन अब जब यह बन चुका है, तो पूरी सतर्कता ज़रूरी है.

लोगों को क्या आदेश दिए गए हैं?

मौसम विभाग ने लोगों को चेतावनी दी है कि तूफान के असर वाले इलाकों में पेड़ों को बांधें, ढीले निर्माणों को मज़बूत करें, और स्थानीय प्रशासन की चेतावनियों पर ध्यान दें. समुद्री गतिविधियां पूरी तरह रोक दी गई हैं और लोगों को घरों में सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है.

सूख रहे डैम, किसान भी सूखे से परेशान; सिंधु जल संधि पर भारत के ऐक्शन से पाकिस्तान में त्राहिमाम

पाकिस्तान. भारत द्वारा अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद 1960 की सिंधु जल संधि (Indus Waters Treaty) को निलंबित करने के फैसले का असर अब पाकिस्तान में साफ दिखने लगा है। पाकिस्तान के दो प्रमुख जलाशय झेलम नदी पर स्थित मंगला डेम और सिंधू नदी पर बना टर्बेला बांध अब पूरी तरह सूखने के करीब पहुंच चुके हैं। पाकिस्तान की इंडस रिवर सिस्टम अथॉरिटी (IRSA) के अनुसार, बुधवार को पाकिस्तान ने अपने सभी प्रमुख जलस्रोतों से जितना पानी प्राप्त किया, उससे 11,180 क्यूसेक अधिक पानी छोड़ना पड़ा। इसका सीधा प्रभाव पंजाब और सिंध प्रांतों की जल आपूर्ति और सिंचाई व्यवस्था पर पड़ा है। भारत ने जम्मू-कश्मीर में जलाशयों की सफाई और फ्लशिंग प्रक्रिया शुरू की है, जिससे पाकिस्तान की ओर जल प्रवाह और कम हो गया है। भारत ने पाकिस्तान को जल डेटा साझा करना भी बंद कर दिया है, जो संधि के तहत पहले अनिवार्य था।

आईआरएस के आंकड़े बताते हैं कि पाकिस्तान में पानी का कुल इनफ्लो 2,41,611 क्यूसेक और कुल आउटफ्लो 2,52,791 क्यूसेक है। यानी कि पाकिस्तान हर दिन 11,180 क्यूसेक अधिक पानी खर्च कर रहा है। पंजाब प्रांत को इस साल 1,14,600 क्यूसेक पानी मिला, जबकि पिछले साल यही आंकड़ा 1,43,600 क्यूसेक था। यानी 20त्न की कमी देखी गई है। इसी तरह सिंध प्रांत की भी जल आपूर्ति में गिरावट आई है।

ढ्ढ्रक्र की सलाहकार समिति ने पहले ही 1 मई से 10 जून तक के लिए 21त्न की पानी की कमी की चेतावनी दी थी। अब जून से सितंबर के अंत तक यह कमी 7त्न तक रहने का अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस जल संकट से खरीफ की बुवाई पर भारी असर पड़ेगा।ढ्ढ्रक्र की सलाहकार समिति ने पहले ही 1 मई से 10 जून तक के लिए 21त्न की पानी की कमी की चेतावनी दी थी। अब जून से सितंबर के अंत तक यह कमी 7त्न तक रहने का अनुमान है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस जल संकट से खरीफ की बुवाई पर भारी असर पड़ेगा।

भारत ने स्पष्ट किया है कि सिंधु जल संधि को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में स्थगित किया गया है और जल प्रवाह या डेटा साझा करने की बाध्यता अब लागू नहीं है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने यह कड़ा कदम उठाया है। उस हमले में 26 लोग मारे गए थे।

राफा पहुंच रहा 50 देशों का काफिला, जानिए क्या है 'सुमुद कॉन्वो' जिससे टूटेगा गाजा ब्लॉकेड

दुनिया. इटली के कैटेनिया से गाजा के लिए रवाना हुए फ्रीडम फ्लोटिला (Freedom Flotilla) को इजराइल द्वारा रोके जाने के बावजूद, 50 से ज्यादा देशों से करीब 2500 लोग गाजा ब्लॉकेड को तोड़ने और फिलिस्तीनियों को ऐड पहुंचाने के लिए निकल चुके हैं.

ट्यूनीशिया के नेतृत्व में गाजा के लिए निकले इस वैश्विक मार्च को 'सुमुद काफिला' (Sumud Convoy) का नाम दिया गया है, इस अरबी शब्द का अर्थ दृढ़ता (steadfastness) है.

ये कॉन्वो करीब 12 बसों और 100 प्राइवेट कारों के साथ ट्यूनीशिया की राजधानी ट्यूनिस से 9 जून को रवाना हुआ है और करीब 2500 किलोमीटर का सफर कर

राफा पहुंचेगा, जो ट्यूनिस से लीबिया होते हुए मिस्त्र, और फिर वहां से राफा जाएगा. साथ ही दूसरे देशों से शामिल होने वाले एक्टिविस्ट एयर रूट से मिस्त्र की राजधानी काहिरा पहुंचेंगे और काफिले को जॉइन करेंगे.

आज (12 जून) इस काफिले के मिस्त्र पहुंचने की उम्मीद है, लेकिन कुछ खबरों के मुताबिक मिस्त्र सरकार ने अभी तक इसको देश में एंट्री की परमिशन नहीं दी है. भारत से भी एक छोटे मानव अधिकार संगठनों के डेलिगेशन की इस वैश्विक मार्च में हिस्सा बनने की उम्मीद है.

मीडिया से बात करते हुए मुंबई निवासी सना सैयद, जो भारत से जाने वाले डेलिगेशन को कोऑर्डिनेट और ऑर्गेनाइज में मदद कर रही हैं, ने इसे मानवता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है.

क्या सुमुद कॉन्वो राफा पहुंच पाएगा?

फ्रीडम फ्लोटिला कोएलिशन की ओर से गाजा के लिए समुद्री मार्ग से खाद्य सामग्री, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामान लेकर जा रहे 12 एक्टिविस्टों के दल, जिसमें ज्यादातर यूरोपीय देशों से थे. उनको गाजा से करीब 300 किलोमीटर दूर इजराइल सुरक्षा बलों ने हिरासत में लेकर डिपोर्ट कर दिया है.

ऐसे में इस सुमुद कॉन्वो के भी राफा में दाखिल होने की उम्मीद बहुत कम है, लेकिन इसमें शामिल होने वाले लोगों का मानना है कि वे इसके जरिए दुनिया भर के नेताओं पर दबाव बनाने में कामयाब होंगे कि वह इजराइल के नरसंहार युद्ध को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए.

24 घंटे में ही खुल गई पाकिस्तान की पोल, अमेरिका के विक्ट्री डे में असीम मुनीर को नहीं मिला न्योता

डप्फ्फ्रस्डि. पाकिस्तान का एक और झूठ दुनिया के सामने आ गया है. पाकिस्तान पूरी दुनिया में खुद को बड़ा चढ़ाकर दिखाने की हर कोशिश करता है, ऐसी ही एक कोशिश का पर्दाफाश हो गया है. बुधवार को पाकिस्तान की और से बताया गया था कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को अमेरिका में होने वाली 250वीं विक्ट्री डे परेड में शामिल होने के लिए न्योता मिला है. सूत्रों से पता चला है कि पाकिस्तानी जनरल आसिम मुनीर को विक्ट्री डे परेड में न्योता नहीं दिया गया है. मुनीर बस अमेरिका विजिट पर जा रहे है जहां वो अपने काउंटरपार्ट से मिलेंगे और उनका ये दौरा विक्ट्री डे परेड के लिए नहीं हो रहा है.

पाकिस्तानी की फजीहत

पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा में मुनीर के विजिट को हाइप किया जा रहा था कि उन्हें विक्ट्री डे परेड में न्योता दिया गया है. हालांकि अभी भी भारत की नजरें आसिम मुनीर के इस दौरे पर रहने वाली है, क्योंकि ये दौरा भारत पाक तनाव के एक महीने बाद हो रहा है.

अमेरिकी अधिकारी ने पाक को बताया भागीदार

यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान के बारे में कहा, ÷वे अभी आतंकवाद विरोधी लड़ाई में सक्रिय हैं और आतंकवाद विरोधी दुनिया में वे एक अभूतपूर्व भागीदार रहे हैं.÷ उन्होंने पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर ISIS-K आतंकवादियों का पीछा करने के लिए पाकिस्तानी सेना की सराहना भी की.

6500 KM की यात्रा, राजाओं की तरह स्वागत; घोड़े पर सवार होकर मक्का पहुंचे हज यात्री

दुनिया. इस वर्ष हज के लिए सऊदी अरब पहुंचे 15 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों में से सिर्फ तीन ऐसे थे जिन्होंने यह यात्रा घोड़े की पीठ पर तय की। वह भी स्पेन से मक्का तक लगभग 4,000 मील का सफर पूरा कर तीनों हज के लिए पहुंचे। तीनों स्पेनिश मुस्लिम तीर्थयात्री अब्देलकादेर हर्कासी आइदी, अब्दुल्ला राफाएल हर्नान्देज़ मानचा और तारिक रोड्रिग्ज ने इस ऐतिहासिक यात्रा को हज ऑन हॉर्स बैक नाम दिया है।

इस अनोखी यात्रा की तैयारी में चार साल लगे, जिसमें घोड़े पालने, अभ्यास यात्रा करने और फंड इकट्ठा करने जैसे कई चरण शामिल थे। उन्होंने अक्टूबर 2024 में दक्षिणी स्पेन से घोड़े लेकर प्रस्थान किया

और 12 देशों से होते हुए मक्का पहुंचे। रास्ते में इटली के बर्फीले टनलों, बोस्निया के बारूदी सुरंगों से भरे इलाकों, और सीरिया के युद्ध प्रभावित क्षेत्रों से गुजरते हुए उन्हें कई जानलेवा कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।सोशल मीडिया से मिली ताकत इस यात्रा को सोशल मीडिया पर जबरदस्त लोकप्रियता मिली। 345,000 से ज्यादा इंस्टाग्राम फॉलोअर्स, 250,000 से अधिक ञ्जद्बद्मञ्जशद्म फॉलोअर्स और 5.5 लाख से अधिक व्यूज हैं। कई लोग उनकी मदद के लिए आगे आए। लोगों ने खाना, रहने की जगह और आर्थिक सहायता दी। एक अमेरिकी कलाकार ने उनके लिए अरबी शैली में एक प्रतीक चिन्ह भी डिजाइन किया।

हर देश में सीमाओं पर परेशानी हुई। घोड़ों को अलग करना पड़ा। स्थानीय घोड़े उधार लेने पड़े। कभी-कभी अधिकारियों की अनुमति लेना कठिन हो गया। फिर भी हर देश में मिले सामान्य लोगों के स्नेह और मदद ने उन्हें आगे बढ़ने का हौसला दिया।

मक्का पहुंचने पर हुआ स्वागत

सऊदी अरब में अधिकारियों ने इन तीर्थयात्रियों का स्वागत राजाओं की तरह किया।

मक्का पहुंचने के बाद उन्होंने लिखा, शब्दों में वह भावना नहीं समा सकती जो हमें यहां खड़े होकर महसूस हो रही है। हम प्रार्थना करते हैं कि हर मुसलमान को यह अवसर प्राप्त हो। अब यह तीर्थयात्री अपनी इस यात्रा पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी बनाने की योजना बना रहे हैं।

जनता भूखी मर रही, उधर चीन से 40 विमान खरीदने जा रहा पाकिस्तान; रक्षा बजट ने खोली पोल

दुनिया. पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली के बीच देश ने अपने रक्षा खर्च को बढ़ाते हुए चीन से अत्याधुनिक फिफ्थ जनरेशन स्टील्थ फाइटर छ्व-35 की खरीद की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। दरअसल पाकिस्तान ने अपने रक्षा बजट में 20त्न की वृद्धि की है, जिसके तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 2,550 अरब रुपये (लगभग 9 अरब डॉलर) आवंटित किए गए हैं। इस वृद्धि का प्रमुख कारण चीन से 40 अत्याधुनिक जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट्स की खरीद का प्रस्ताव है, जो भारत के साथ बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान की सैन्य ताकत को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

40 J-35A स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने पर बातचीत

टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के हवाले से लिखा, पाकिस्तान चीन से 40 J-35A स्टील्थ लड़ाकू विमान खरीदने पर बातचीत कर रहा है और अगस्त से इनकी डिलीवरी शुरू हो सकती है। छ्व-35 एक ट्विन-इंजन मल्टीरोल फाइटर जेट है, जिसमें PL-17 मिसाइलें और अत्याधुनिक, श्वस्र रडार सिस्टम लगे हैं। इससे पाकिस्तान की एयर सुपीरियॉरिटी और स्ट्राइक क्षमता में उल्लेखनीय इजाफा हो सकता है। पाकिस्तान एयरफोर्स ने इस सौदे को पहले ही मंजूरी दे दी है और पायलटों को चीन में ट्रेनिंग दी जा रही है। चीन ने कथित तौर पर पाकिस्तान को इस सौदे में 50त्न तक की छूट और लचीले भुगतान विकल्प दिए हैं, जो दोनों देशों के गहराते रणनीतिक संबंधों का प्रतीक है। वर्तमान में पाकिस्तान के लगभग 80त्न हथियार चीन से आते हैं। J-10C फाइटर जेट और HQ-9 एयर डिफेंस सिस्टम जैसे हथियारों का इस्तेमाल पाकिस्तान ने हाल ही में भारत के साथ सैन्य टकराव के दौरान किया था। आर्थिक संकट के बीच सैन्य खर्च पर सवाल पाकिस्तान का यह सैन्य उभार ऐसे समय में हो रहा है जब देश गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। पाकिस्तान पर चीन का 15 अरब डॉलर का कर्ज पहले ही आ रहा है। इसके अलावा, पाकिस्तान IMF से 6-8 अरब डॉलर के राहत पैकेज की मांग कर रहा है।

कुल 269 अरब डॉलर के कर्ज में डूबा देश अपनी GDP का 1.9त्न से अधिक सिर्फ कर्ज चुकाने में खर्च कर रहा है।

ऐसे में सामाजिक कल्याण, शिक्षा और आधारभूत ढांचे पर खर्च के लिए सरकार के पास सीमित संसाधन हैं।

फिर भी, शहबाज शरीफ सरकार ने इस बार के बजट में कुल राष्ट्रीय खर्च को 7% घटाकर 17.57 ट्रिलियन रुपये कर दिया है, जबकि रक्षा खर्च को प्राथमिकता दी गई है।

वाशिंगटन में 'विक्ट्री डे परेड' के दौरान हिंसक प्रदर्शन की आशंका, ट्रंप की चेतावनी पूरी ताकत से निपटेंगे

वाशिंगटन डीसी में होने वाली 'विक्ट्री डे परेड' को लेकर तनाव है. परेड के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने विरोध की चेतावनी दी है. ट्रंप ने हिंसा पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है, जिसकी डेमोक्रेट्स ने निंदा की है. परेड में 7000 सैनिक, 150 वाहन और 50 से अधिक लड़ाकू विमान शामिल होंगे, जबकि सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं.

वाशिंगटन. अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में शनिवार को होने जा रही 'विक्ट्री डे परेड' को लेकर देशभर में राजनीतिक सरगर्मी तेज है. एक ओर जहां इसे अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जन्मदिन के प्रतीक के रूप में मनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रदर्शनकारी संगठनों ने इसे 'शक्ति प्रदर्शन की राजनीति' करार देते हुए जोरदार विरोध की चेतावनी दी है.

इस परेड को अमेरिका के इतिहास की सबसे बड़ी सैन्य झांकी के रूप में देखा जा रहा है. 1991 में गल्फ युद्ध के बाद यह पहली बार है जब इतने बड़े पैमाने पर सैनिक प्रदर्शन किया जा रहा है. अनुमान है कि इसमें लगभग 7,000 सैनिक, 150 सैन्य वाहन, और 50 से अधिक लड़ाकू विमान भाग लेंगे. परेड की लागत 25 से 45 मिलियन डॉलर तक पहुंचने की आशंका जताई गई है, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था, सड़क बंदी और अन्य प्रशासनिक खर्च शामिल हैं.

व्हाइट हाउस और आसपास के इलाकों में विरोध प्रदर्शन की तैयारी

इस आयोजन को लेकर देशभर के विभिन्न संगठनों ने विरोध प्रदर्शन की योजना बनाई है. नो किंग्स डे नामक समूह ने खास तौर पर इस दिन को 'तानाशाही के खिलाफ जन-प्रतिरोध' के रूप में मनाने का आह्वान किया है. जानकारी के मुताबिक व्हाइट हाउस, आर्लिंगटन और पोटामैक नदी के आसपास प्रदर्शनकारियों के जुटने की तैयारी है . प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह परेड लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ है और इसका उद्देश्य एक व्यक्ति विशेष के महिमामंडन को दर्शाना है, न कि सेना के बलिदान का सम्मान.

इन संभावित विरोधों को देखते हुए वॉशिंगटन में सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं. चार दिनों तक सड़कों की बंदी लागू की गई है, 175 मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं, 18.5 मील लंबी स्टील बाड़ खड़ी की गई है और ड्रोन से निगरानी की जा रही है. नेशनल गार्ड, मरीन और स्पेशल फोर्स को भी तैनात किया गया है.

ट्रंप की चेतावनी 'भारी बल से निपटेंगे'

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने परेड से पहले सख्त रुख अपनाते हुए साफ कहा है कि वाशिंगटन में किसी भी प्रकार की अराजकता या हिंसा को 'बहुत भारी बल' से कुचला जाएगा. उन्होंने कहा, 'यह अमेरिका की ताकत का दिन है और जो कोई इसे बाधित करेगा, उससे पूरी ताकत से निपटा जाएगा.

ट्रंप के इस बयान की डेमोक्रेट पार्टी ने जमकर निंदा की है. कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूज़म ने इसे 'लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा हमला' बताया है. कई सामाजिक संगठनों ने भी इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाफ कार्रवाई कहा है.

विमान हादसा: रिटायर्ड जज से कराई जाए जांच: खरगे

'विमानन दुर्घटनाएं दैवीय कृत्य नहीं, शाह की टिप्पणी पर कांग्रेस का हमला'

नई दिल्ली
अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दुख जताया है। उन्होंने हादसे की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। साथ ही मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कांग्रेस समेत सभी संगठनों के कार्यकर्ताओं से घायलों और मृतकों के परिवारों की मदद करने की अपील की। खरगे ने कहा कि सरकार पीड़ितों को वित्तीय और चिकित्सा सहायता सहित सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की पूरी जिम्मेदारी ले। सरकार को यह तय करना चाहिए कि सभी घायलों को प्राथमिकता के आधार पर उपचार मिले। उन्होंने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने और जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए घटना की उच्च स्तरीय जांच की भी मांग की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को या तो सुप्रीम कोर्ट के किसी मौजूदा जज या रिटायर्ड जज से जांच करानी चाहिए ताकि पता चल सके कि यह दुर्घटना क्यों हुई और इसका कौन जिम्मेदार है। खरगे ने दावा किया कि पायलट पर निर्धारित प्रस्थान समय से पहले उड़ान भरने का कथित दबाव था। केवल जांच से ही सच्चाई सामने आएगी।

शाह की टिप्पणी पर कांग्रेस का हमला
कांग्रेस ने अहमदाबाद में गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी को असंवेदनशील" करार दिया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि अमित शाह की दुर्घटनाओं को कोई नहीं रोक सकता वाली टिप्पणी त्यागपत्र है। जब कोई विमान दुर्घटनाग्रस्त होता है और लोग मरते हैं, तो गृह मंत्री कम से कम जवाबदेही का वादा तो कर ही सकते हैं, न कि कंधे उचकाकर भाग्य पर भाषण दे सकते हैं। कोई भी दुर्घटना को नहीं रोक सकता एक त्यागपत्र है। अगर कुछ भी नहीं रोका जा सकता, तो हमारे पास मंत्रालय क्यों हैं। खेड़ा ने कहा कि विमानन दुर्घटनाएं दैवीय कृत्य नहीं हैं - उन्हें रोका जा सकता है।

इसीलिए हमारे पास विमानन नियामक, सुरक्षा प्रोटोकॉल और संकट प्रतिक्रिया प्रणालियां हैं। गृह मंत्री के तर्क के अनुसार क्या हमें सुरक्षा बुनियादी ढांचे, विनियमन या संकट की तैयारी में निवेश करना बंद कर देना चाहिए। इसे भाग्य पर छोड़ दो और इसे खत्म कर दो? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री को अब यही कहना चाहिए? यह अत्यंत असंवेदनशील है।

शाह ने यह कहा था
शाह ने गुरुवार को कहा कि अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान में ईंधन जलने के कारण तापमान इतना अधिक था कि किसी को बचाने की कोई संभावना नहीं थी।

पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया
अहमदाबाद पुलिस ने एअर इंडिया विमान दुर्घटना के संबंध में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है। मेघाणीनगर थाने द्वारा बृहस्पतिवार शाम दर्ज की गई आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट के अनुसार, उसे दुर्घटना और उसके बाद लगी आग की सूचना अपराह्न करीब एक बजकर 44 मिनट पर मिली। पुलिस शिकायत में कहा गया है कि अग्निशमन अभियान के दौरान पुलिस को पता चला कि अधिकतर यात्री और चालक दल के सदस्य जलकर मर गए थे और उनके शवों को एम्बुलेंस से सिविल अस्पताल ले जाया गया।

साथ ही चिकित्सकों के आवास में रहने वाले लोगों की भी हादसे में मौत हो गई। उप मुख्य अग्निशमन अधिकारी ध्रुमित गांधी ने शुक्रवार को कहा, हमारा राहत एवं बचाव अभियान सुबह समाप्त हो गया और घटनास्थल को फॉरेंसिक विशेषज्ञों तथा नागर विमानन अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

ब्रिटिश उच्चायुक्त ने अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की

क्रैश साइट पर पहुंची एनआईए
राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने भी क्रैश साइट का दौरा किया। वहीं, अमेरिका की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने कहा है कि वे एक जांच टीम भारत भेज रहे हैं जो अअक्ह को इस हादसे की जांच में सहायता करेगी। विमानन विशेषज्ञों ने कहा कि ब्लैक बॉक्स की जांच पूरी होने के बाद ही असली वजह सामने आ सकेगी। विशेषज्ञ सरोज दमाडिया ने कहा, तकनीकी गड़बड़ी, फ्लैप या इंजन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए ब्लैक बॉक्स की रिकॉर्डिंग से जो डाटा मिलेगा, वही असल कारण बताएगा।

ब्रिटिश उच्चायुक्त ने अहमदाबाद में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की
भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने शुक्रवार को अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि दोनों देश एअर इंडिया विमान दुर्घटना के तथ्यों का पता लगाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं जिसमें 52 ब्रिटिश नागरिकों सहित 265 लोग मारे गए है। कैमरन ने सोशल मीडिया मंच एक्सपर एक पोस्ट में कहा, मैंने आज सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। हमने इस दुखद हादसे पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और अहमदाबाद में अथक प्रयास करने वाले प्रथम प्रतिक्रिया दल के काम के लिए धन्यवाद दिया। ब्रिटेन और भारत तथ्यों का पता लगाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

बिहार सरकार की निविदा में अनियमितता से जुड़े मामले में ईडी की कई राज्यों में छापेमारी

नई दिल्ली
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार में राज्य सरकार की निविदा में अनियमितताओं की शिकायत पर धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में कई राज्यों में छापेमारी की। इस दौरान कई आपत्तिजनक साक्ष्य और दस्तावेज जब्त किए गए हैं। ईडी के मुताबिक पटना के ठेकेदार रिशु श्री के मामले में 12 जून को पटना, मुजफ्फरपुर (बिहार), सूरत (गुजरात) और पानीपत (हरियाणा) स्थित 09 ठिकानों पर छापेमारी की गई। ईडी ने कहा कि छापेमारी के दौरान कई आपत्तिजनक साक्ष्य और दस्तावेज जब्त किए गए हैं। धन शोधन का ये मामला बिहार सरकार की विशेष सतर्कता इकाई (सीवीयू) की ओर से रिशु श्री और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी से संबद्ध है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कहा कि इस ठेकेदार की कंपनियां बिहार सरकार के कई विभागों जैसे जल संसाधन, स्वास्थ्य, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, शहरी विकास, बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम, शिक्षा, भवन एवं निर्माण और ग्रामीण कार्य विभाग में अनुबंध और उप-अनुबंध हासिल करती हैं। ईडी ने मार्च में इस मामले में कुछ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ इसी तरह की छापेमारी करके 11.64 करोड़ रुपये जब्त किए थे।

एयर इंडिया विमान दुर्घटना के राहत कार्यों में हर संभव मदद करेगी रिलायंस: अंबानी

नई दिल्ली
देश के दिग्गज उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए राहत कार्यों में पूर्ण सहयोग की पेशकश की। आरआईएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने ह्यएक्सह्न पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि वह और उनकी पत्नी नीता अहमदाबाद में विमान हादसे में हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुखी एवं व्यथित हैं। हम इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

हरिद्वार चिंतन शिविर में देशभर के किसान नेता होंगे शामिल

दिव्य दिल्ली : भाकियू लोक शक्ति के गुड़ांव, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ से आए पदाधिकारी हरिद्वार में आयोजित चिंतन शिविर में भाग लेने के लिए रवाना हुए। शिविर में भाग लेने के दौरान खतौली के सैनी नगर स्थित प्रदेश सचिव राधे प्रणामी के कार्यालय पर इनका भव्य स्वागत किया गया। पदाधिकारियों का स्वागत प्रदेश सचिव राधे प्रणामी एवं जिलाध्यक्ष ठाकुर नीरज सिंह के नेतृत्व में फूल-मालाएं पहनाकर एवं नारे लगाकर किया गया। इस दौरान "भारत माता की जय" और "किसान एकता जिंदाबाद" के नारे गूंजे। स्वागत समारोह में वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश जादौन, प्रदेश अध्यक्ष मजदूर प्रकोष्ठ रंजीत गांधी, प्रदेश सचिव शिवकुमार दीक्षित एवं राधे प्रणामी ने जानकारी देते हुए बताया कि हरिद्वार में आयोजित चिंतन शिविर में देशभर के किसान नेता हिस्सा लेंगे।

शिविर का उद्देश्य संगठन को सशक्त बनाना, किसानों की जमीनी समस्याओं पर मंथन करना और सरकार की किसान विरोधी नीतियों का विरोध करना है। मेरठ मंडल प्रभारी युवा नेता राहुल, मोहित, ओंकार, जग प्रवेश, बिट्टू, हाजी अजीम, अकरम, सोनू मलिक आदि ने बताया कि शिविर में एमएसपी की कानूनी गारंटी, बिजली संशोधन विधेयक, बीज और खाद की कालाबाजारी जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए जाएंगे। अन्य वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन को और अधिक मजबूत करें और अधिक से अधिक युवाओं को किसान आंदोलन से जोड़ें। इस अवसर पर कुलदीप कुमार, फिरोज गांधी, सचिन गुप्ता, राजीव शर्मा, जहीन रिजवी, राजू ठाकुर, सोनू मलिक, अकरम, शाहरुख सैफी, जावेद सैफी, अमजद सैफी, आदिल मलिक समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर प्रवीण खंडेलवाल द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर, जरूरतमंदों को निशुल्क उपकरण वितरित"

दिव्य दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिल्ली के पश्चिम विहार शकूर बस्ती क्षेत्र में प्रवीण खंडेलवाल द्वारा एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया और आंख, शुगर और कानों की जांच करवाई। जिन लोगों को चश्मे या कान की मशीन की आवश्यकता थी, उन्हें बिना किसी शुल्क के उपकरण भी प्रदान किए गए।कैंप में निगम पार्षद विनीत वोहरा, शिखा भारद्वाज और ज्योति अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने हाल ही में अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर दुख व्यक्त किया और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन भी रखा। और साथ ही कहा की इस तरह के कैंप दिल्ली में हर जगह लगेंगे जिससे जरूरत मंद लोग अपना हेल्थ चेकअप करा सके।

उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है एम्स: जेपी नड्डा

नई दिल्ली
केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में स्थापित प्रत्येक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) उन्नत नैदानिक देखभाल, उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान उत्कृष्टता को एकीकृत करता है। प्रत्येक एम्स स्वास्थ्य सेवा नवाचार और एक-दूसरे से सीखने के केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिससे अस्पताल में समान, सस्ती और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा प्रदान की जाती है। एम्स सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, देखभाल के मानकों को बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवा नेताओं की एक नई पीढ़ी को विकसित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। जेपी नड्डा शुक्रवार को नागपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मंत्रालय द्वारा आयोजित सर्वोत्तम प्रथाओंह्व पर सम्मेलन के पहले संस्करण को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। इस दो दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न एम्स संस्थानों द्वारा अपनाई गई अनुकरणीय प्रथाओं को प्रदर्शित करना है, जिसमें रोगी-केंद्रित देखभाल, परिचालन दक्षता, डिजिटल परिवर्तन और अकादमिक उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसमें देशभर के एम्स संस्थानों (एम्स भोपाल, एम्स जम्मू, एम्स बिलासपुर, एम्स जोधपुर, एम्स नागपुर, एम्स देवघर, एम्स पटना, एम्स गोरखपुर, एम्स गुवाहाटी, एम्स रायपुर) के साथ-साथ प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) प्रभाग और रक्षा मंत्रालय की भी भागीदारी है। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण दिया। इस मौके पर जेपी नड्डा ने कहा यह तीन प्रमुख क्षेत्रों में नए एम्स के समृद्ध अनुभवों को समेकित करने का प्रयास करता है जिसमें शिक्षण-अधिगम और अनुसंधान; अस्पताल सेवा; और शासन -रोगी सुविधा शामिल है।

सोना फिर एक लाख रुपये के पहुंचा पार, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली
पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की वजह से सोने की कीमत में लगातार तीसरे दिन तेजी जारी रही। सोने की प्रति 10 ग्राम का भाव फिर एक लाख रुपये के पार पहुंच गई है। चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ईरान पर इजराइल के सैन्य हमले के बाद बढ़े तनाव के बीच राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के सरार्फा बाजार में शुक्रवार को कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत 2,200 रुपये उछलकर

1,01,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंच गई। चांदी की कीमत भी 1,100 रुपये बढ़कर 1,08,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से निवेशकों का रुझान सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर बढ़ने से सोने के दाम में तेजी रही। एमसीएक्स पर सोना आज 1,108 रुपये यानी 1.12 फीसदी बढ़कर 99,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि गुरुवार को सोना 98,392 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इससे पहले 22 अप्रैल को सोना 1,800 रुपये चढ़कर 1,01,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

अमरावती पर आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में पत्रकार श्रीनिवास राव को जमानत

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने एक लाइव टीवी शो में आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती को लेकर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में पत्रकार के. श्रीनिवास राव को जमानत दे दी है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच के राव को रिहा करने का आदेश दिया। 70 वर्षीय पत्रकार श्रीनिवास राव को 9 जून को गिरफ्तार किया गया था। राव पर आरोप है कि उनके एक टीवी शो में 6 जून को एक पैनलिस्ट ने अमरावती को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा कि श्रीनिवास ने खुद टीवी के लाइव शो में ऐसा बयान नहीं दिया था। याचिका में कहा गया था कि बतौर पत्रकार श्रीनिवास की अभिव्यक्ति के अधिकारों की रक्षा होनी चाहिए। हालांकि कोर्ट ने श्रीनिवास राव से कहा कि वो अपने शो में अपमानजनक टिप्पणी नहीं करें और किसी को ऐसा करने की अनुमति भी नहीं दें।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के दूरगामी परिणाम

दिव्य दिल्ली : मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने हाल ही में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए राज्य के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ इठर की धारा 152, 196(1)(बी), और 197(1)(सी) के तहत प्राथमिकी (FIR) दर्ज करने का सख्त आदेश दिया। यह आदेश भारतीय सेना की वरिष्ठ अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ मंत्री द्वारा दी गई आपत्तिजनक टिप्पणी के संदर्भ में आया, जिसने न केवल एक सम्मानित सैन्य अधिकारी का अपमान किया, बल्कि देश की एकता और अखंडता को भी खतरे में डाला। उच्च न्यायालय की जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अनुराधा शुक्ला की खंडपीठ ने इस बयान को ह्लगटर स्तर काह्व और ह्लकैंसरह्व जैसा करार देते हुए इसे ह्लसेना के मनोबल को गिराने वालाह्व और ह्लराष्ट्रीय एकता के लिए खतरनाकह्व बताया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संवैधानिक पद पर आसीन व्यक्ति से ऐसी भाषा की उम्मीद नहीं की जा सकती, और चार घंटे के भीतर त्र्क्ष्क्र दर्ज करने का

निर्देश दिया। विजय शाह ने एक जनसभा में कर्नल सोफिया कुरैशी का नाम लिए बिना कहा था, ह्लहमने उनकी बहन भेजकर उनकी ऐसी-तैसी करवाई ह्व यह टिप्पणी ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न के संदर्भ में थी, जिसमें कर्नल सोफिया ने आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस बयान ने न केवल कर्नल सोफिया के सम्मान को ठेस पहुंचाई, बल्कि धार्मिक आधार पर नफरत और शत्रुता को बढ़ावा देने का काम किया। यह पहली बार नहीं है जब किसी राजनेता ने इस तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी की हो। हिंदुत्ववादी विचारधारा से जुड़े नेताओं द्वारा बार-बार ऐसी बयानबाजी देखने को मिलती है, जो समाज में विभाजन को बढ़ावा देती है और देश की एकता को कमजोर करती है। ऐसे बयानों का सिलसिला नया नहीं है। 2019 में, उत्तर प्रदेश के एक भाजपा नेता ने मुस्लिम समुदाय को ह्लआतंकवादीह्व कहकर संबोधित किया था, जिसके बाद व्यापक विरोध हुआ। इसी तरह, 2020 में, एक केंद्रीय मंत्री ने धार्मिक आधार पर टिप्पणी करते हुए अल्पसंख्यक समुदाय की देशभक्ति पर सवाल उठाए थे। इन बयानों ने न केवल सामाजिक तनाव को बढ़ाया, बल्कि देश की एकता पर भी प्रश्नचिह्न लगाया। हाल ही में, 2024 में, एक अन्य भाजपा नेता ने एक सार्वजनिक मंच से अल्पसंख्यक समुदाय को ह्लघुसपैठियाह्व कहकर संबोधित किया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। इन सभी मामलों में नेताओं ने माफी मांगने की औपचारिकता तो पूरी की, लेकिन इन बयानों का समाज पर पड़ने वाला दीर्घकालिक प्रभाव अक्सर अनदेखा कर दिया गया। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का यह आदेश एक मिसाल कायम करता है। कोर्ट ने न केवल स्वतः संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई की, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह के बयान देश की एकता और सेना के सम्मान के खिलाफ हैं। यह आदेश उन नेताओं के लिए एक कड़ा संदेश है जो धार्मिक उन्माद फैलाने और समाज को बांटने वाली भाषा का सहारा लेते हैं। कोर्ट ने यह भी सुनिश्चित किया कि इस मामले की निगरानी वह स्वयं करेगा, जिससे यह संदेश गया कि ऐसी गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397